लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

02 नवम्बर 2026 सोमवार
वर्ष : 20 अंक: 120
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com



रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की महारैली

राहुल गांधी का आरोप, कनॉट प्लेस की बीजेपी ने दुकानें बंद करवाईं

एजेंसी,नयी दिल्ली । रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली के जरिए अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के विरोध में आयोजित इस रैली में 23 राजनीतिक दलों के नेताओं के शामिल होने का दावा किया गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, फारूक अब्दुल्ला और तेजस्वी यादव समेत कई विपक्षी नेता इस आयोजन में पहुंचे। विपक्ष ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लोकतंत्र के लिए गंभीर मुद्दा बताते हुए चुनाव आयोग से जवाब मांगा। आयोजकों ने रैली में करीब 10 लाख लोगों के जुटने का दावा किया है। महारैली से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर विपक्षी नेताओं का जमावड़ा लगा।



हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, केरल के मुख्यमंत्री, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला और प्रियंका गांधी सहित कई वरिष्ठ नेता यहां पहुंचे। इसके बाद फ्छक्। गठबंधन के सांसद और प्रमुख नेता मिंटो ब्रिज की ओर रवाना हुए। राहुल गांधी भी विपक्षी नेताओं के साथ खुली बस में सवार होकर रामलीला मैदान पहुंचे।

इस दौरान अखिलेश यादव, फारूक अब्दुल्ला, तेजस्वी यादव, ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले और अभिषेक बनर्जी समेत कई नेताओं की मौजूदगी रही। रैली शाम पांच बजे तक आयोजित किए जाने का कार्यक्रम था। रैली में शामिल होने जाते समय राहुल गांधी ने कनॉट प्लेस में दुकानों के बंद होने को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने रैली में आने वाले लोगों से अपील की थी कि वे स्थानीय दुकानों से खरीदारी करें, ताकि व्यापारियों को फायदा हो सके। लेकिन कनॉट प्लेस पहुंचने पर पता चला कि बीजेपी ने कथित तौर पर जबरदस्ती दुकानें बंद करवा दी हैं।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि बीजेपी छोटे दुकानदारों का नुकसान कर रही है और देश यह सब देख रहा है। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर लोगों से रैली में शामिल होने के साथ स्थानीय बाजारों में खरीदारी करने की अपील की थी। उनका कहना था कि विरोध-प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित नहीं होना चाहिए, बल्कि इससे छोटे व्यापारियों को फायदा पहुंचना चाहिए। समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने रैली को अभूतपूर्व बताते हुए बीजेपी पर निशाना साधा।



भाजपा ने निकाला मार्च, कांग्रेस से सिख दंगों के लिए माफी मांगने को कहा



एजेंसी,नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के रामलीला मैदान में रविवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया की वोट बचाओ, देश बचाओ रैली से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिमी दिल्ली के हरि नगर में विरोध मार्च निकाला और 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कांग्रेस तथा उसके नेता राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की।

विरोध मार्च का नेतृत्व करते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 1984 में सिखों के खिलाफ हुई हिंसा एक सुनियोजित नरसंहार था, न कि दंगा या अचानक हुई घटना। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एच एस फूलका ने इस मार्च में हिस्सा लिया। इसमें कई सिख नेता भी शामिल हुए। सिख बहुल हरि नगर से तिलक नगर इलाके तक निकाले गये विरोध मार्च में प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस और गांधी के खिलाफ नारेबाजी की तथा 1984 में सिखों की हत्या के लिए उनसे माफी मांगने की मांग की।

पुलिस की कार्रवाई में अमन त्यागी ढेर

संवाददाता,नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर–126 थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात पुलिस के साथ मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश अमन त्यागी उर्फ माया त्यागी मारा गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि त्यागी रणदीप भाटी गैंग का सक्रिय सदस्य था और उसके खिलाफ हत्या, लूट, संगदी तथा गैंगस्टर एक्ट समेत 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में गोली लगने से दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। पुलिस उपायुक्त प्रीति यादव ने बताया कि सेक्टर–126 थाना पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त टीम शनिवार रात संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी कि इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने रुकने के बजाय पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी और भागने लगा।

आजम खां को 14 दिन की न्यायिक हिरासत, ईडी ने किया था गिरफ्तार



जौहर ट्रस्ट और जौहर विवि से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में

एजेंसी,गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। रामपुर जेल से रिहाई के तुरंत बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के बाद अदालत ने आजम खां को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। यह मामला मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और जौहर विश्वविद्यालय से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित है।

जानकारी के मुताबिक,आजम खां शनिवार को रामपुर जेल से रिहा हुए थे। हालांकि, जेल से बाहर आते ही प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एजेंसी जौहर ट्रस्ट और विश्वविद्यालय से जुड़े वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है। ईडी को आशंका है कि इस मामले में कथित तौर पर वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं और धनशोधन से जुड़े पहलू सामने आ सकते हैं। रविवार को ईडी की टीम आजम खां को गाजियाबाद स्थित विशेष पीएमएलए अदालत लेकर पहुंची। एजेंसी की ओर से मामले में पूछताछ के लिए कस्टडी रिमांड की मांग की गई।

ईडी उनसे ट्रस्ट से जुड़े वित्तीय लेनदेन और अन्य संबंधित गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल करना चाहती है। हालांकि, अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत मंजूर कर ली। इस आदेश के बाद आजम खां को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आजम खां की पेशी की खबर मिलते ही कोर्ट परिसर के आसपास समर्थकों और लोगों की भीड़ जमा हो गई।

जमीन ही नहीं बची तो अंगद का पैर कहां रखेंगे : अखिलेश

संवाददाता,लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश आज रविवार को भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग अंगद का पैर कहने की बात करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि जब जमीन ही नहीं बची है तो पैर कहां रखेंगे। दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन की वोट चोरी के खिलाफ आयोजित रैली को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि उन्हें खुशी है कि काशी की जनता ने डबल इंजन की सरकार को डबल जीरो दिया है। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम काटे जाने का मुद्दा उठाते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि जब रामलीला मैदान में जनसभा होने जा रही थी तो उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से कहा गया कि 1.27 लाख हिंदू भाइयों के वोट काट दिए गए हैं। यानी हर विधानसभा में 31 हजार वोट कम हुए हैं। सच्चाई यह है कि हार का ठीकरा किसी और पर फोड़ने की कोशिश की जा रही है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री अमित शाह के



हालिया बयान का हवाला देते हुए कटाक्ष किया, जब नीचे जमीन नहीं बची है तो अंगद का पैर कहां रखेंगे। शाह ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बीते 30 अक्टूबर को भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की स्थिति की तुलना रामायण के पात्र अंगद के पैर करते हुए कहा था कि उत्तर प्रदेश में भाजपा अंगद का पांव है, जिसे कोई हिला नहीं सकता। भाजपा फिर से सरकार बनाने जा रही है, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश के जरिये सत्ता में आए लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा, क्योंकि श्यूपी वालेश उन्हें करारा जवाब देकर विदाई देंगे। अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वहां चुनाव लूटा गया। हम इंडिया गठबंधन के लोग रुकने वाले नहीं हैं। हम 2022 में सरकार नहीं बना पाए तो इसकी वजह यह चोरी है। सपा प्रमुख ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग विश्वगुरु बनने की बात करते थे, वे मतदाता सूची में चोरी करते हैं।

सीएम योगी ने साधा निशाना कहा सपा ने 1500 दंगे करवाए

संवाददाता गोरखपुर। सीएम योगी ने गोरखपुर में एक कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा है समाजवादी पार्टी की उपलब्धि ये है कि उसने अपनी 4 बार की सरकार में प्रदेश में 1500 दंगे करवाये। सपा ने 4 बार की सरकार में 10 लाख गुंडे पाले थे, जो हर जिले में लूट करते थे, बेटी व्यापारी के सुरक्षा के लिए खतरा थे। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 10 लाख सरकारी नौकरी दी, माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम किया है! जो भ्रष्टाचारी थे आज उन्हें परेशानी हो रही है तो सड़कों पर अराजकता पैदा करके मोदी जी के खिलाफ माहौल बना रहे हैं। ये माहौल मोदी जी के खिलाफ नहीं, गरीबों के प्रति है। ये अराजकता पैदा करने वाले किसान विरोधी हैं, महिला विरोधी हैं, ये आतंकवाद के समर्थक हैं, अलगाववाद के समर्थक हैं। हमे इन साजिश पैदा करने वाले नक्सलवाद के समर्थकों के खिलाफ खड़ा होना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा, पहले कोई किसी भी व्यापारी को लूट लेता था, राह चलती बेटी के साथ छेड़खानी कर देता था, ये समाजवादी पार्टी का संस्कार था, ऐसे काम करते थे। सीएम योगी ने कहा, देश में कंगमेकर बनने वालों द्वारा पैदा किए गए मौजूदा हालात और जिस तरह की राजनीति हो रही है उसे देखते हुए रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा था अंधा चकाचौंध का मारा, क्या जाने इतिहास बेचारा? मुझे हैरानी होती है कि जब हम ऐतिहासिक चौरी–चौरा कांड की बात करते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि अंग्रेजों ने वहां 172 देशभक्तों को फांसी की सजा सुनाई थी। कांग्रेस पार्टी अक्सर बहुत शोर मचाती है और दावा करती है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के एक बड़े पैरोकार थे। लेकिन सच क्या है? जब 4 फरवरी 1922 को ऐतिहासिक चौरी–चौरा कांड हुआ और अंग्रेजों ने 172 लोगों, जिनमें किसानों, मजदूरों और व्यापारियों को गिरफ्तार करके उन्हें मौत की सजा सुनाई, तब पंडित जवाहरलाल नेहरू कहीं नजर नहीं आए। ऐसे में, कानूनी बचाव के लिए कौन आगे आया? वे थे पंडित मदन मोहन मालवीय। उन्होंने इतनी मजबूती से पक्ष रखा कि वे इन 151 क्रांतिकारियों, किसानों, मजदूरों, व्यापारियों और युवाओं को फांसी के फंदे से बचाने में सफल रहे। उन्होंने आगे कहा, याद कीजिए कि कैसे भोपा बाजार में रेलवे लाइन ने इलाके को दो हिस्सों में बांट दिया था। जब हम 4 फरवरी 2022 को वहां गए थे, तो वह जगह घंटों तक चलने वाले ट्रैफिक जाम से जूझ रही थी। लेकिन तभी कमलेश पासवान ने सवाल उठाया, क्या यहां एक पुल बनाया जा सकता है? मुझे खुशी है कि चौरी–चौरा शहीद स्मारक के पास, लोगों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए एक फ्लाईओवर बन गया है जो प्रोजेक्ट कभी सिर्फ एक सोच थी, वह अब हकीकत बन चुकी है।



अयोध्या में ज्योति महायज्ञ का भव्य शुभारंभ, 2000 मरीजों के होंगे निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

10 दिवसीय महा यज्ञ में 7500 यज्ञ ऋत्विज सम्मिलित होंगे हर दिवस यज्ञ में 750 आहुतियां





अयोध्या। कल्याणम करोति द्वारा संचालित श्री दीनबंधु नेत्र चिकित्सालय में रविवार को ज्योति महायज्ञ एवं निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुभारंभ हुआ। शिविर का उद्घाटन परम पूज्य कमल नयन शास्त्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में संस्था के महामंत्री राष्ट्रगौरव शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि शिविर 1 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलेगा। इसमें 2,000 निःशुल्क नेत्र रोगियों एवं जरूरतमंद नेत्र रोगियों के निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह अभियान वापस अमेरिका के संस्थापक अध्यक्ष प्रणव देसाई की प्रेरणा एवं सहयोग से संचालित हो रहा है। उनके सहयोग से अयोध्या में अब तक 7,500 से अधिक निःशुल्क ऑपरेशन किए जा चुके हैं। कमल नयन शास्त्री ने इस सेवा कार्य के लिए प्रणव देसाई के प्रति आभार जताया।

उन्होंने बताया कि 21 वर्ष पूर्व 4 नवंबर को स्थापित इस चिकित्सालय में अब तक 12 लाख से अधिक नेत्र रोगियों की जांच तथा 2 लाख 54 हजार से अधिक सफल ऑपरेशन किए जा चुके हैं।

इस अवसर पर डॉ. वाई.पी. तिवारी, डॉ. पारिजात शुक्ला, डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. आकांक्षा अग्रवाल, डॉ. दीप्ति, महाप्रबंधक डी.एन. मिश्रा, हरीश मलिक, डॉ. राजेश तिवारी, उदयभान पाठक, उमादत्त मिश्रा, लक्ष्मण तिवारी, वीरेंद्र यादव, उमेश वर्मा सहित चिकित्सालय के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नेत्र रोगी उपस्थित रहे।

उन्नाव : अवधेश प्रताप सिंह बने समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में हर्ष

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। समाजवादी पार्टी के संगठन विस्तार के तहत जनपद में पार्टी को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति एवं उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की संस्तुति पर अवधेश प्रताप सिंह को समाजवादी पार्टी, जनपद उन्नाव का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर है।

जिला उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर अवधेश प्रताप सिंह ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, मैं केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि जनता और पार्टी के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। उनका मुख्य उद्देश्य समाजवादी पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और राष्ट्रीय अध्यक्ष के विचारों को गाँव–गाँव और जन–जन तक पहुँचाना है। इसके साथ ही वह कार्यकर्ताओं के सम्मान की रक्षा और आम जनता की आवाज को प्रमुखता से उठाने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में जनपद उन्नाव में संगठन को एक नई ऊँचाई मिलेगी।



राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल जी एवं समस्त वरिष्ठ नेतृत्व का हृदय से धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने मुझ पर यह भरोसा जताया है। उन्होंने आगे कहा कि यह पद उनके लिए

मेगा विधिक शिविर में 917 लोगों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ



देवरिया। यूपी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला न्यायालय परिसर में मेगा विधिक सहायता शिविर का आयोजन हुआ। शुभारंभ जनपद न्यायाधीश धनेन्द्र प्रताप सिंह, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय ब्रजेश मणि त्रिपाठी, नोडल अधिकारी नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, सीडीओ राजेश कुमार सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अर्चना और जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण–दीप प्रज्वलन कर किया। शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाकर 917 निर्बल, निर्धन, महिलाओं, बच्चों, श्रमिकों और SC/ST वर्ग को योजनाओं का लाभ व प्रमाण पत्र दिए गए। दिव्यांगजनों को 1 व्हीलचेयर, 9 हियरिंग एड, 13 एमआर किट, 20 स्मार्ट केन सहित कुल 874 अन्य लाभार्थियों को लाभ दिया गया। बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया।

समाजवादी पार्टी ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल और आचार्य नरेंद्र देव जी की जयंती मनाई

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव जी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मल्लावां विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी ब्रजेश वर्मा ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्रजेश वर्मा ने कहा कि सरदार पटेल और आचार्य नरेंद्र देव का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। सरदार पटेल ने अपनी –ढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व से देशी रियासतों का भारतीय गणतंत्र में विलय कराकर देश की एकता और अखंडता को मजबूत किया। वहीं आचार्य नरेंद्र देव ने शिक्षा, सामाजिक न्याय और समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।



समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जयचन्द्र विमल ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आचार्य नरेंद्र देव महान शिक्षाविद, स्वतंत्रता सेनानी और समाजवादी विचारधारा के प्रमुख स्तंभ थे। उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा देने का काम करते हैं।

इस अवसर पर पूर्व सांसद अन्नू टंडन, पूर्व विधायक सुंदरलाल लोधी, पूर्व विधायक राधेलाल रावत, आचल वर्मा, गोविंद यादव, वीरेंद्र शुक्ला, रमन पटेल, मंटू कटियार, सुरेश पाल, इस्माइल, मंजीत यादव, राजेश यादव उर्फ साधु, धीरेंद्र यादव, राजेश मिश्रा, सभासद मनोज यादव, विनोद पाल एवं अशोक सिंह चंदेल सहित समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धनतेरस पर सर्राफा बाजारों में पुलिस की कड़ी सुरक्षा, खागा सर्किल में 257 ज्वैलर्स चिन्हित

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

खागा, फतेहपुर। धनतेरस व दीपावली पर्व पर सर्राफा बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। सीओ खागा रवि प्रकाश ने बताया कि खागा सर्किल के सभी थानों के सर्राफा व्यापारियों की सूची तैयार कर ली गई है। धनतेरस पर सभी प्रमुख सर्राफा बाजारों में पुलिस बल तैनात रहेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार खागा तहसील क्षेत्र में 99 सर्राफा व्यवसायी सक्रिय हैं, जबकि खखरेरू थाना क्षेत्र में 34, धाता थाना क्षेत्र में 26, सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र में 32, हथगाम थाना क्षेत्र में 37 तथा किशनपुर थाना क्षेत्र में 29 सर्राफा व्यवसायी चिन्हित किए गए हैं। इस प्रकार पूरे सर्किल में कुल 220 सर्राफा व्यवसायी अपना कारोबार कर रहे हैं। सीओ रवि प्रकाश सिंह ने बताया कि त्योहार के दौरान सोने–चांदी की दुकानों पर खरीदारी के लिए भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में चोरी, लूट व टप्पेबाजी जैसी घटनाओं की आशंका को देखते हुए सभी थानाध्यक्षों को अपने–अपने क्षेत्र के सर्राफा बाजारों में निरंतर गश्त, पिकेट ड्यूटी व सादे कपड़ों में पुलिस कर्मियों को तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। दुकानदारों से भी संपर्क कर सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त रखने व संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई है। पुलिस की इस पहल को व्यापारी वर्ग ने सराहनीय बताया है।

54वीं बार खून से प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, बुंदेलखंड राज्य की मांग को लेकर मनाया काला दिवस

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

खागा, फतेहपुर। पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग को लेकर बुंदेलखंड राष्ट्र समिति ने रविवार को खागा नगर कार्यालय में काला दिवस मनाया। कार्यकर्ताओं ने काले कपड़े पहनकर और काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय बुंदेलखंडी ने 54वीं बार अपने खून से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर बुंदेलखंड राज्य बनाने की मांग दोहराई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रवीण पांडेय ने कहा कि सौ बीमारियों का एक इलाज बुंदेलखंड राज्य है। उन्होंने कहा कि एक नवंबर 1956 को राज्य पुनर्गठन के दौरान ऐतिहासिक बुंदेलखंड को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बांट दिया गया, जिससे क्षेत्र की एकता और सांस्कृतिक पहचान को गहरी चोट पहुंची। आज भी बुंदेलखंड बेरोजगारी, पलायन, सिंचाई, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक पिछड़ेपन जैसी समस्याओं से जूझ रहा है।



उन्होंने कहा कि यह लगातार 54वां मौका है जब उन्होंने खून से पत्र लिखकर प्रधानमंत्री से मांग की है। हमारे पूर्वजों ने आजादी के लिए खून बहाया था, आज हम उसी खून से अपने हक और सम्मान के लिए राज्य की मांग लिख रहे हैं। अब आश्वासन नहीं, राज्य चाहिए।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि बुंदेलखंड राज्य की मांग राजनीतिक नहीं बल्कि सम्मान, स्वाभिमान और विकास का मुद्दा है। इस दौरान पंदिल्ली सुन ले बुंदेलों की बात, अब चाहिए अपना राज्य बुंदेलखंड के नारे लगाए गए। कार्यक्रम के अंत में जय बुंदेलखंड के उद्घोष के साथ राष्ट्रगीत गाया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता देवव्रत त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष यज्ञेश गुप्ता, बसंत, राम प्रसाद विश्वकर्मा, लालन सिंह, राम नारायण सिंह, धर्मेंद्र सिंह, शेर सिंह, रोशन सिंह, शैलेंद्र तिवारी बच्चा, विपिन सिंह, लल्लन सिंह, सीताराम पासवान, उत्कर्ष त्रिवेदी, नास्त्रेदमस त्रिपाठी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महापुरुषों को नमन कर करणी सेना ने यूजीसी और आरक्षण मुद्दे पर भरी हुंकार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

ऊंचाहार , रायबरेली । करणी सेना ने यूजीसी , एससी एसटी एक्ट और आरक्षण के मुद्दे पर बड़ा ऐलान किया है और समरता की दुहाई देकर सवर्णों के विरुद्ध साजिश के विरुद्ध मुखर होकर लड़ने का ऐलान किया है । रविवार को क्षेत्र के जमुनापुर स्थित एक निजी मैरिज लॉन में संपन्न बैठक में करणी सेना भारत ने यह ऐलान किया है ।



संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रूपेंद्र बहादुर सिंह उर्फ नन्हे भैया के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई बैठक में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए । बैठक में समाज के उत्थान, अधिकारों की रक्षा और विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां भवानी तथा महान राजपूत योद्धाओं के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने समाज को एकजुट होकर अपने हक की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। इस दौरान यूजीसी , एससी एसटी एक्ट के दुरुपयोग को रोकने के लिए आवश्यक संशोधन, वर्तमान आरक्षण व्यवस्था की व्यापक समीक्षा, ईडब्ल्यूएस नियमों को सरल बनाना जैसी मांग सरकार से की गई । बैठक मे सवर्ण समाज के हितों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोग की मांग की गई।

वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक इन न्यायसंगत मांगों पर विचार नहीं होता, तब तक संगठन का लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा। मुख्य अतिथि ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आज समाज को निराशा से बचने और मुश्किल रास्तों के बावजूद अपनी मंजिल तक पहुंचने की आवश्यकता है। उन्होंने क्षत्रिय समाज और अन्य वर्गों को एक मंच पर लाने में आने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए मजबूत संगठन का होना बेहद जरूरी है।

बैठक में जिला अध्यक्ष सत्येंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोनू मदौरिया, युवा जिला अध्यक्ष योगेश सिंह, राजेंद्र सिंह, रिंकू सिंह, जितेन्द्र सिंह चंदेल और एडवोकेट विजय सिंह मदौरिया सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन संगठन को धरातल पर मजबूत करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

सियासी संतुलन साधने का भगीरथ प्रयास : उन्नाव में शिवपुराण कथा बनाम शिवपाल की अर्श

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। शिवदीप शिव महापुराण कथा, जो पिछले 30 अक्टूबर से भगवंत नगर विधानसभा क्षेत्र के गौरी ब्लॉक में पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा शुभारंभ कर दी गई है। सीहोर वाले पंडित मिश्रा जहां प्रख्यात कथा वाचक तो है ही, वही सनातन का विरोध करने वालों के खिलाफ उनके शब्दों की मुहिम जारी है। कथा स्थल पर श्रोताओं का सैलाब इस बात का संकेत है कि सनातन की जड़े और पुख्ता हो रही हैं इसका श्रेय कथा आयोजक अरुण सिंह, जो जिला सहकारी बैंक उन्नाव के अध्यक्ष भी हैं को माना जा रहा है।

दूसरी तरफ कथा प्रारंभ होने के ठीक उसी दिन समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल सिंह मां चंद्रिका देवी के दरबार में दर्शन करने पहुंचे। हालांकि प्रेस वार्ता में उन्होंने यह साबित करने का खासा प्रयास किया कि वह मात्र माता के दर्शनों के लिए आए हैं । उन्होंने कहा कि जब माता के दर्शन का मौका मिला तो उन्हें अप्रत्याशित सफलता प्राप्त हुई। पौराणिक काल से मां चंद्रिका देवी धाम मां दुर्गा सप्तशती का प्रारंभ माना जाता है और राजा –वैश्य की कथा जो दुर्गा सप्तशती की प्रस्तावना है इसी पवित्र स्थल से जुड़ी हुई है। इतना ही नहीं ठीक दूसरे दिन जिला मुख्यालय स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय में लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल और आचार्य नरेंद्र देव की जयंती मनाई गई और अवधेश सिंह जो जिले के प्रमुख ट्रांसपोर्टर होने के साथ–साथ समाजवादी पार्टी के उभरते हुए नेता भी हैं उनको सपा का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

राजनीतिक खिलाड़ियों का मानना है कि उपरोक्त दोनों घटनाक्रम मात्र संयोग नहीं बल्कि संतुलन साधने का प्रयास है ।हालांकि महाशिवपुराण कथा को जहां आम जनमानस धार्मिक कथा मान रहा है वही रणनीतिकारों ने धर्म और सनातन के माध्यम से इस कथा को मतों में बदलने का भगीरथ प्रयास बताया।

वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह का मां चंद्रिका देवी के दर्शन और यह कहना की मां का आशीर्वाद ही उन्हें हमेशा सफलता की ओर ले गया है और किसी सियासी दौरे से स्पष्ट इनकार, खेल की दशा और दिशा तय करता है। साथ ही साथ, ठीक दूसरे दिन बेदाग छवि वाले धार्मिक और संस्कारी ट्रांसपोर्टर को सपा उपाध्यक्ष मनोनीत करना एक अलग दास्तां बयां कर रहा है बिल्कुल साफ है क्या अब लखनऊ और दिल्ली पहुंचने का मार्ग एकमात्र सनातन ही बनता जा रहा है।





हरगांव अवध शुगर मिल में पेराई सत्र की परंपरागत शुरुआत

सीतापुर,संवाददाता। जिले के अवध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड, हरगांव में 4 नवंबर से गन्ने की पेराई शुरू होगी। मिल ने 2026–27 सत्र की तैयारियां पूरी कर ली हैं। रविवार को मिल परिसर में पूजन के बाद डोंगे में गन्ना डालकर पेराई सत्र की परंपरागत शुरुआत की गई। बिड़ला मंदिर के पुजारी पंडित जगदीश चंद्र जोशी और पंडित शत्रुंजय बाजपेई ने मिल के अधिशासी अध्यक्ष ए.के. दीक्षित से वैदिक रीति से पूजन कराया। इसके बाद राज्य कारागार मंत्री सुरेश राही, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, अधिशासी अध्यक्ष ए.के. दीक्षित, अधिशासी उपाध्यक्ष विवेक तिवारी और अन्य जनप्रतिनिधियों व मिल अधिकारियों ने आरती की। नारियल फोड़कर डोंगे में गन्ना डाला गया। मिल परिसर में लगी मशीनों का भी पूजन किया गया। अब किसानों को मिल में गन्ना पहुंचाने की शुरुआत का इंतजार है। अधिशासी अध्यक्ष ए.के. दीक्षित ने बताया कि इस सत्र में 2 करोड़ 5 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने किसानों से पर्ची के अनुसार साफ और अगोला रहित गन्ना मिल को देने की अपील की। उन्होंने बिचौलियों को कम दाम पर गन्ना बेचने से बचने की सलाह भी दी। दीक्षित ने कहा कि शासन के दिशा–निर्देशों के अनुसार किसानों के गन्ने का भुगतान 14 दिनों के भीतर उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा। कार्यक्रम में किसानों को शरदकालीन गन्ना बुवाई की विधि और वैज्ञानिक खेती के महत्व की जानकारी भी दी गई। पूजन समारोह में नगर पंचायत अध्यक्ष गफ्फार खां, गन्ना समिति हरगांव के चेयरमैन प्रतिनिधि दिनेश चंद्र मिश्र, सीतापुर गन्ना समिति के चेयरमैन भंवर सिंह, अरनीखाना समिति के चेयरमैन अशोक अवस्थी, प्रदीप सिंह राठौर, समरबहादुर सिंह, आलोक मिश्र, प्रशांत मिश्र, प्रशुभ मिश्रा और हरीश मिश्र मौजूद रहे।

आशा बहुओं, एएनएम और रसोइयों का सम्मान

रायबरेली,संवाददाता। रविवार के डलमऊ स्थित मुगाई बाग के हरि उत्सव लॉन में सम्मान समारोह हुआ। इसमें आशा बहुओं, एएनएम और रसोइया कार्यकत्रियों को सम्मानित किया गया। चंद्रशेखर मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज, लालगंज के प्रबंध निदेशक और सरेनी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ल ने उन्हें सम्मानित किया। वे रायपुर मड़शिंगौवाँ के निवासी हैं। दीप प्रकाश शुक्ल ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान आशा बहुओं ने हार नहीं मानी और सरकार की स्वास्थ्य सेवाएं लोगों तक पहुंचाई।

प्रशासन ने 2.60 करोड़ की जमीन करायी कब्जामुक्त

सीतापुर,संवाददाता। जिले के लहरपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम करस्यौरा में रविवार दोपहर करीब 3 बजे सरकारी जमीन पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने बुलडोजर चलाया। राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में नौ दुकानों और नौ मकानों को ध्वस्त कर सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया। प्रशासन के अनुसार, मुक्त कराई गई जमीन की कीमत करीब 2 करोड़ 60 लाख रुपये है। जानकारी के अनुसार, ग्राम करस्यौरा में गाटा संख्या 637 की 0.130 हेक्टेयर और गाटा संख्या 466 की 0.081 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में खेल के मैदान और अस्पताल के नाम दर्ज है। आरोप है कि इस सरकारी भूमि पर सिद्दीक, इकबाल, फिरोज, मिथिलेश, रामनरेश, जफरुल, असलम, बबलू, अशोक कुमार, मेराज और शिवराज ने अवैध कब्जा कर नौ दुकानों और नौ मकानों का निर्माण करा लिया था। मामले में तहसीलदार न्यायालय की ओर से उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत 29 अप्रैल को बेदखली का आदेश पारित किया गया था। इसके बाद संबंधित कब्जेदारों को अतिक्रमण हटाने के

ऊर्जा मंत्री ने मऊ को दी 531.5 लाख रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात

- मड़ैया घाट, विसर्जन घाट के निर्माण एवं रामलीला मैदान के सौंदरीकरण का किया लोकार्पण
- मऊ के घाटोंका विकास केवल निर्माण नहीं बल्कि धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का प्रयास है– शर्मा



लखनऊ,संवाददाता। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मऊ में 531.5 लाख रुपए की लागत से तीन महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण कर मऊवासियों को सौगात दी। इनमें मड़ैया घाट एवं विसर्जन घाट का नवनिर्माण तथा रामलीला मैदान में इंटरलॉकिंग एवं सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर मंत्री श्री शर्मा ने अपने पांच वर्षों के कार्यकाल में मऊ में करए गए विकास कार्यों का विस्तृत लेखा–जोखा भी जनता के समक्ष प्रस्तुत किया तथा विकास पुस्तिका का विमोचन किया। श्री शर्मा ने मऊवासियों को तीनों विकास परियोजनाओं के लोकार्पण की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन मऊ और उनके लिए अत्यंत खुशी एवं सौभाग्य का दिन है। भगवान महादेव की कृपा और मऊ की जनता के स्नेह एवं आशीर्वाद से पिछले पांच वर्षों में क्षेत्र में अनेक विकास कार्य कराए गए हैं। श्री शर्मा ने अपने पांच वर्षों के कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों का विवरण एक पुस्तिका के माध्यम से जनता के समक्ष प्रस्तुत किया। श्री शर्मा ने कहा कि उन्होंने लगभग 50 देशों की यात्रा की है और वहां के पर्यटन स्थलों को भी देखा है। उन्हें गर्व है कि मऊ महादेव घाट आज एक विशिष्ट और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हुआ है। लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से इस घाट का निर्माण जनसहयोग एवं सीएसआर के माध्यम से कराया गया है। इस घाट पर किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिखवाया गया, क्योंकि यह किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे मऊवासियों का घाट है। शर्मा ने कल देर रात मऊ में कुल 531.5 लाख रुपए की लागत से कराए गए तीन विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें 260.27 लाख रुपए की लागत से मड़ैया घाट का नवनिर्माण, मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना अंतर्गत 247.42 लाख रुपये से विसर्जन घाट का नवनिर्माण तथा 23.81 लाख रुपए की लागत से रामलीला मैदान में इंटरलॉकिंग एवं सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं।

सतविंदर सिंह ने हॉफ मैराथन मेलखनऊ को किया गौरवान्वित

लखनऊ,संवाददाता। स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने, खेल और रनिंग संस्कृति को बढ़ावा देने एवं एकता और सामुदायिक भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से 1 नवंबर को झाँसी में एसबीआई हॉफ मैराथन का आयोजन हुआ जिसमें लखनऊ निवासी एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष युवा स. सतविंदर सिंह ने प्रतिभाग कर इस 21.9 किलोमीटर की हॉफ मैराथन को 2 घंटे 5 मिनट में पूर्ण कर लखनऊ को गौरवान्वित किया एवं आज के युवाओं को भी खेल फिटनेस और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह हॉफ मैराथन झाँसी के ऐतिहासिक झोकन बाग से प्रातः 5रू 30 बजे प्रारम्भ हुई जिसमें 300 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली की सफलता पर कांग्रेसजनों का आभार : आराधना मिश्रा 'मोना'

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आज आयोजित कांग्रेस की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली को अभूतपूर्व रूप से सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों, जमीनी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद, कस्बे और गांव से बड़ी संख्या में कांग्रेसजन अपने निजी संसाधनों से दिल्ली पहुंचे और लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा के इस संकल्प में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का यह उत्साह, समर्पण और एकजुटता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है।



हरिद्वार से निकली संत रविदास सनातन संदेश यात्रा का राजधानी में स्वागत

लखनऊ,संवाददाता। हरिद्वार से निकली संत रविदास सनातन संदेश यात्रा रविवार को लखनऊ पहुंची। हरिद्वार से काशी (वाराणसी) तक निकाली जा रही यह यात्रा 18 अक्टूबर को शुरू हुई थी। राजधानी के हजरतगंज चौराहे पर यात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। यात्रा की अगुआई विश्वमहापीठ पीठाधीश्वर एवं महामंडलेश्वर संत संदीप खत्री रविदासाचार्य कर रहे है। इस दौरान संतों के विचारों और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। संदीप खत्री ने कहा, जो सनातन की बात करेगा, वही उत्तर प्रदेश में राज करेगा। महामंडलेश्वर संदीप खत्री ने कहा उन्होंने जाति–पाति, ऊंच–नीच और भेदभाव का कड़ा विरोध किया।

उनका मानना था कि सभी मनुष्य एक ही ईश्वर की संतान हैं। इसलिए किसी भी मानव में कोई विवाद नहीं होना चाहिए। सभी इंसानों का कर्तव्य है कि मानव कक्षा के लिए कार्य करें। एक दूसरे के सहयोग से ही समाज आगे बढ़ता है। हमें धर्म जाति से ऊपर उठकर देशहित और राष्ट्र हित में काम करना चाहिए। महामंडलेश्वर ने कहा कि संत रविदास ने एक ऐसे आदर्श समाज बेगमपुरा (एक ऐसा शहर जहां कोई दुख न हो) का सपना देखा, जहां हर वर्ग के लोगों को सम्मान, न्याय और बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार मिले। जहां कहीं भी किसी व्यक्ति के साथ किसी भी आधार पर भेदभाव होता है वहां से शांति और सुख दूर हो जाते हैं।



एसजीपीजीआई भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप अभ्यर्थीयों का हंगामा

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में एसजीपीजीआई की हॉस्पिटल अटेंडेंट और स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा को लेकर रविवार को विवाद हो गया। गड़बड़ी और पेपर लीक का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों ने जमकर हंगामा किया। छात्रों का आरोप है कि परीक्षा के दौरान ऑफिस के अंदर ओएमआर शीट भरी जा रही थी। अभ्यर्थियों ने पेपर में चीटिंग कराने के भी आरोप लगाए। लखनऊ के एसडीएसएन डिग्री कॉलेज, एसडीएसएन पब्लिक स्कूल और ज्यूरिस कॉलेज ऑफ लॉ समेत आसपास के कई केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षार्थियों का आरोप है कि कई केंद्रों पर बायोमेट्रिक जांच में दिक्कत आई। इस वजह से परीक्षा शुरू होने में भी देरी हुई। इसके बाद अभ्यर्थियों ने केंद्रों पर हंगामा किया।प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों की मांग है कि सिर्फ कुछ चुनिंदा केंद्रों की परीक्षा रद्द करने से काम नहीं चलेगा। हॉस्पिटल अटेंडेंट की पहली पाली की पूरी परीक्षा रद्द की जाए। छात्रों ने परीक्षा में कथित धांधली से जुड़े वीडियो और जानकारियां भी साझा की हैं। हंगामे के बीच एसजीपीजीआई के एग्जामिनेशन सेल के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. विजय उपाध्याय ने तीन केंद्रों पर परीक्षा रद्द करने का आदेश जारी किया। है।

वक्त बदलने पर बदल जाता है तख्त : अखिलेश

लखनऊ,संवाददाता।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सपा नेता आजम खां के खिलाफ दर्ज मुकदमों को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आजम खां को लगातार मुकदमों में फंसाकर जेल भेजने की साजिश की जा रही है।अखिलेश ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को याद रखना चाहिए कि जब वक्त बदलता है तो तख्त भी बदल जाता है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, आजम खान के साथ मुकदमों की जो साजिश की जा रही है, उसे केवल देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया देख रही है। उम्रदराज व्यक्ति को इस तरह के बेमानी मुकदमों में फंसाकर बार–बार जेल भेजना बेहद कायराना हरकत है।उन्होंने कहा कि आज की सत्ता जिस गलत रवायत को बढ़ावा दे रही है, समय और परिस्थितियां बदलने पर उसे खुद भी उसका सामना करना पड़ सकता है। उस समय बचकर निकलना आसान नहीं होगा।उन्होंने कहा कि जब नाइंसाफी हद पार कर जाती है तो वह जुल्म करने वालों के लिए ही कहर बन जाती है। उन्होंने आजम खान के साथ हो रही कार्रवाई को निंदनीय बताया।



सपा नेता आजम खान बेटे अब्दुल्ला के साथ 11 महीने बाद रामपुर जेल से बाहर आए, लेकिन जेल के गेट से ही ईडी ने आजम को गिरफ्तार कर लिया। प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि आजम ने जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में सरकारी धन और ठेकों से जुड़े पैसों का दुरुपयोग किया है। एजेंसी 416. 14 करोड़ रुपए के खर्च में अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है।ईडी ने रामपुर के थाना अजीम नगर में दर्ज 26 मुकदमों को आधार बनाकर अपनी जांच शुरू की थी। ईडी की जांच रिपोर्ट के आधार पर रामपुर के थाना अजीम नगर में आजम खां, जौहर ट्रस्ट और अन्य लोगों के विरुद्ध 13 अक्तूबर को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम समेत अन्य धाराओं में एक और मुकदमा भी दर्ज हुआ था।

घर घर दस्तक देगी भारतीय जनता पार्टी : महिला-युवा मोर्चे को बड़ी जिम्मेदारी, रात्रि प्रवास और संवाद से तैयार हो रहा चुनावी चक्रव्यूह

लखनऊ,संवाददाता। यूपी असेम्बली इलेक्शन में चुनौतियों को देखते हुए बीजेपी ने संगठनात्मक और मैदानी तैयारियों को तेज कर दिया है। संगठन को बूथ स्तर तक अभेद्य बनाने और जनता के साथ सीधा संवाद करने के लिए यूपी भाजपा ने एक सुव्यवस्थित कार्ययोजना तैयार की है।पार्टी नेतृत्व के निर्देशों के मुताबिक विधानसभा स्तर पर प्रवासी प्रभारियों की नियुक्ति का काम तुरंत पूरा किया जाएगा।इस बार महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को विधानसभा स्तर पर प्रवासी के रूप में मैदान में उतारा जाएगा।पार्टी की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि जिला प्रभारी जल्द से जल्द विधानसभा स्तर पर और विधानसभा प्रभारी शक्ति केंद्रों पर अपना प्रवास सुनिश्चित करें। विधानसभा प्रभारी और विस्तारक मंडल स्तर पर सक्रिय सदस्यों की बैठकें तुरंत शुरू करेंगे, ताकि संगठन की गतिशीलता बनी रहे। बीजेपी का सबसे बड़ा जोर जनसंपर्क पर है।पार्टी के ग्धर–घर संपर्क अभियानग के तहत हर 50 परिवारों पर एक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।डोर–टू–डोर जनसंपर्क को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिला स्तर पर समन्वय टोली का गठन किया जाएगा। चुनावी रणनीति को धार देने के लिए क्षेत्रीय और जिलाध्यक्षों को मोर्चों की गतिविधियों को प्रभावी बनाने और अपने–अपने क्षेत्रोंमेंअधिक से अधिक रात्रि–प्रवास करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। दीपावली का त्योहार बीतते ही पार्टी पूरे प्रदेश में मतदाता पुनरीक्षण के काम में पूरी ताकत से जुटेगी। खास तौर से युवाओं को जोड़ने के लिए फॉर्म–6 भरवाने का विशेष अभियान चलाया जाएगा. पार्टी ने पुराने और वरिष्ट नेताओं को साधने की भी पूरी तैयारी की है।पूर्व ब्लॉक प्रमुखों बीडीसी सदस्यों जिला पंचायत अध्यक्षों जिला पंचायत सदस्यों और पूर्व पार्षदों सहित पूर्व जनप्रतिनिधियों को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाएगा जिलाध्यक्षों को जल्द लिस्ट तैयार करने को कहा गया है। जल्द ही सक्रिय सदस्यों की बैठकें शुरू करके चुनावी जिम्मेदारियों से जोड़ने का काम करना है। युवा, महिला, बुद्धजीवी, श्रमिक, व्यापारी वर्ग, रेहड़ी पटरी विक्रेता, चाय, पान, किराना, सब्जी जैसे विक्रेताओं समेत सूक्ष्म कारोबारियों से सम्पर्क एवं संवाद स्थापित करने के लिए समाज के हर वर्ग को सूचीबद्ध करने का काम तेजी से चल रहा है। भाजपा जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ को और मजबूत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।



मिशन लाइफ: प्रदेश में चलेगा 7 नवम्बर तक पर्यावरण संरक्षण एवं जन–जागरूकता अभियान

त्भ;ड़ ह्वहस;ह्रस ह्वद्व2हस्वह्लड़ सद्ध ड़द्धद्धड़ड़;ड्डस्वह्लड़ सद्ध ह्वह्लाड्डस्वद्धड़3ह्रस ह्वह्ला त्भस्टस्वस्र ह्लद्धश्च%ड्डस्व4द्ध।

टह्लर्ष ,श्चड़ ह्ल4 ह्वड़द्धद्ध6ड्ड.ड्ड त्भश्चह्लह्लस्र सह्ला द्धिह ह्लस्व3ऱ्स ह्वस्वह्लड़3ड्डा 35ड्डद्धद्ध.ड्ड ह्लस्व3द्धद्धस्र

प्रोत्साहित करना है। डल्टीतंज एवं डमतप स्पष्ट पोर्टल के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की दीदियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की शपथ दिलाई जाएगी।

जन–जागरूकता कार्यक्रमों के साथ प्रातःकालीन प्रभात फेरी, वॉकथॉन, योगाभ्यास एवं साइकिल रैली आयोजित की जाएंगी। एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। सात दिवसीय कार्यक्रम में दिवसवार कार्ययोजना बनायी गयी है प्रतिदिन नये कार्यक्रम एवं उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया समूह की दीदीयों के माध्यम से जनमानस तक पहुँचाने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को आदेशित किया गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जनसहभागिता के माध्यम से दैनिक जीवन में छोटे–छोटे सकारात्मक बदलाव लाकर पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाया जा सकता है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर सपाइयों ने किया विरोध प्रदर्शन

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में रविवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। हजरतगंज चौराहे पर जुटे कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और आजम खान की रिहाई की मांग को लेकर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक और धक्का–मुक्की हुई। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को उठाकर वैन में बैठाया और इको गार्डन ले गए। कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर अभद्रता करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र की हत्या की है। प्रदर्शन कर रहे गणेश ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र की हत्या की है। जब तक उनका इस्तीफा नहीं हो जाएगा, हम लोग सड़क पर रहेंगे। 35 करोड़ से ज्यादा वोट चोरी करके अलग–अलग राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकार बनवाने में मुख्य चुनाव आयुक्त ने मदद की है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके इशारे पर पूरा चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है।



हम किसी भी कीमत पर इस बार ऐसा नहीं होने देंगे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि चुनाव आयोग मर चुका है, भाजपा का पिट्ठू बन चुका है लगातार बेईमानी करवा रहा है। इन लोगों ने पहले बिहार और पश्चिम बंगाल लूटा अब उत्तर प्रदेश को लूटने की तैयारी कर रहे हैं। ज्ञानेश कुमार को हटाए बिना यूपी में चुनाव नहीं होगा इन्होंने लोकतंत्र को बेहद कमजोर करने का काम किया है। प्रदर्शन कर रहे आशीष ने कहा कि हमारे नेता अखिलेश यादव लंबे समय से वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। हमने कई बार वोट चोरी का साक्ष्य भी दिया फिर भी चुनाव आयोग ने इसका संज्ञान नहीं लिया।

दो दिवसीय 24वीं वार्षिक युवा सांस्कृतिक प्रतियोगिता मेधा संवर्धन–2026 का समापन

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय (केकेसी) में रविवार को दो दिवसीय 24वीं वार्षिक युवा सांस्कृतिक प्रतियोगिता मेधा संवर्धन–2026 का समापन हुआ। मुख्य अतिथि नगर निगम लखनऊ के उपाध्यक्ष सुशील कुमार तिवारी और प्रख्यात संगकर्मी एवं अभिनेता प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने विजयी छात्र–छात्राओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र वितरित किए। दोनों अतिथि महाविद्यालय के पूर्व छात्र है। पार्षद आशीष हितैषी विशिष्ट अतिथि रहे। प्राचार्य प्रो. केके शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह की अध्यक्षता प्रबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य टीएन मिश्रा ने की।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव 3 को आएंगे वाराणसी दिवंगत नेता के परिजनों से जताएंगे शोक

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आगामी 3 नवंबर को वाराणसी के दौरे पर आ रहे हैं। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सपा प्रमुख का यह दौरा मुख्य रूप से निजी और शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए तय किया गया है।

अखिलेश यादव 3 नवंबर को दोपहर में विमान द्वारा बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे।

वहां से वे सीधे वाराणसी के फूलपुर क्षेत्र के लिए रवाना होंगे। सपा प्रमुख वहां पार्टी के दिवंगत जिला उपाध्यक्ष राजेश यादव श्नत्थूश् के आवास पर जाकर उनके शोकाकुल परिजनों से मुलाकात करेंगे और अपनी संवेदनाएं प्रकट करेंगे।

हाल ही में वाराणसी एमएलसी चुनाव में समाजवादी पार्टी को मिली बड़ी जीत के बाद अखिलेश यादव का यह पहला बनारस दौरा है। इस वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। हवाई अड्डे से लेकर कार्यक्रम स्थल तक सपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनके स्वागत की तैयारियां की जा रही हैं। शोक संवेदना व्यक्त करने के बाद अखिलेश यादव द्वारा स्थानीय पार्टी पदाधिकारियों से संक्षिप्त मुलाकात कर आगामी सांगठनिक गतिविधियों पर चर्चा करने की भी संभावना है। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन और खुफिया तंत्र भी अलर्ट पर है।

ईदगाह में लगा निःशुल्क चिकित्सा कैम्प

लखनऊ,संवाददाता। मानवता की बुनियाद समाज सेवा के जज्बे से हमवार होती है। खुदा पाक के बन्दों की सेवा करना एक बहुत अच्छा कार्य है जो हर इंसान को व्यक्तिगत एवं सामूहिक तौर पर समाज के लिए अंजाम देना चाहिए। यह कार्य न सिर्फ मानवता की तामीर व तरक्की का कारण बल्कि इस नेक कार्य से व्यक्ति के व्यक्तित्व में भी निखार पैदा होता है। इन ख्यालात का इज्हार इमाम ईदगाह लखनऊ व काजी शहर मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया, मैक्स हास्पिटल और काइंड हास्पिटल के सौजन्य से दारुल उलूम फरंगी महल ईदगाह लखनऊ में आयोजित मासिक निःशुल्क चिकित्सा कैम्प से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि जरूरत मन्दों और गरीबों की सहायता व सहयोग करना इस्लाम की शिक्षा व हिदायत पर अमल करना है। समाज सेवा जैसे नेक काम के नमूने हमको रसूले पाक सल्ल0 की सीरत और साहाबा रजि0 के हालात में बहुत मिलते है।

मौलाना ने कहा कि इस्लामिक सेन्टर के अर्न्तगत इस निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आरम्भ मौलाना अबू तैय्यब अहमद मिर्ज़ा फरंगी महली की सरपरस्ती में



सन् 2000 में हुआ था। यह हर महीने की पहली इतवार को लगता है। इस कैम्प से बिना किसी धार्मिक भेद भाव के हजारों लोग लाभ उठा चुके हैं। यहॉ निःशुल्क चश्मे दिये जाते हैं। ब्लड प्रेशर, शूगर, थाईराइड, स्त्री रोग इत्यादि की जॉच और निःशुल्क दवायें दी जाती हैं। मौलाना फरंगी महली के हाथों निःशुल्क चश्मे और दवाइयॉ दी गयीं।

खराब मौसम के कारण काठमांडू की फ्लाइट लखनऊ उतरी

लखनऊ,संवाददाता। काठमांडू में खराब मौसम के कारण दिल्ली से वहां जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को रविवार सुबह लखनऊ उतारना पड़ा। बाद में विमान यात्रियों सहित दिल्ली लौट गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, रविवार सुबह काठमांडू में मौसम खराब होने से विमान संचालन में दिक्कत आई। दिल्ली से सुबह 7.04 बजे रवाना हुई फ्लाइट एआई–213 काठमांडू एयरपोर्ट पर नहीं उतर सकी। विमान को लखनऊ डायवर्ट किया गया और सुबह 10.04 बजे लखनऊ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। काठमांडू का मौसम काफी देर तक ठीक नहीं हुआ। इसके बाद लखनऊ एयरपोर्ट पर जरूरी प्रक्रिया पूरी कर काठमांडू की उड़ान रद्द कर दी गई। विमान सुबह 11.19 बजे यात्रियों सहित दिल्ली के लिए रवाना हुआ।

नारायण सेवा संस्थान का निःशुल्क शिविर

लखनऊ,संवाददाता। लाभार्थियों से संवाद और उनके अनुभव जानने के बाद मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है, क्योंकि नारायण सेवा संस्थान का काम स्वयं बोल रहा है।" यह बात भारत के 14वें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने लखनऊ में नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर में कही।उन्होंने कहा कि किसी बच्चे की मुस्कान छिनने से पूरे परिवार की मुस्कान खो जाती है। नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगजनों और उनके परिजनों के चेहरों पर मुस्कान लौटाकर उन्हें नया जीवन देने का सराहनीय कार्य कर रहा है। संस्थान के सेवा कार्यों की प्रशंसा के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। उन्होंने कृत्रिम अंगों से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ रहे दिव्यांगजनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।गोमती नगर स्थित दयाल गेटवे होटल में आयोजित शिविर का शुभारंभ पूर्व राष्ट्र पति ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

3 फीसदी बढ़े महंगाई भत्ते एवं बोनस की मांग

लखनऊ,संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर प्रदेश के राज्य कर्मचारियों, निकाय कर्मचारियों, निगम कर्मचारियों तथा राज्य निधि से वेतन प्राप्त करने वाले सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को दीपावली से पूर्व बढ़े हुए महंगाई भत्ते तथा बोनस का भुगतान किए जाने की मांग की है। परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों को 1 जुलाई 2026 से 3 प्रतिशत की दर से बढ़े हुए महंगाई भत्ते के भुगतान का आदेश जारी कर दिया है।

समूहों के बनाए दियों से जगमगाएंग शहर

लखनऊ,संवाददाता। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा बहुत ही कारगर कदम उठाये गये हैं। आजीविका मिशन उत्तर प्रदेश में त्यौहारों के दृष्टिगत नये कलेवर में काम कर रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित हो रहे स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर बनाए गये उत्पादों को लेकर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में एक अलग तरह की रौनक दिख रही है।

संपादकीय

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका–इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वेंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतरू पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरिक्त दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है। दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति शृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी–बरोटीवाला–नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निर्माताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है।

कल एक झलक ज़िंदगी को देखा,
वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी,

फिर ढूँढा उसे इधर उधर
वो आंख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी

एक अरसे के बाद आया मुझे क़रार,
वो सहला के मुझे सुला रही थी

हम दोनों क्यूँ ख़फ़ा हैं एक दूसरे से
मैं उसे और वो मुझे समझा रही थी,

मैंने पूछ लिया- क्यों इतना दर्द दिया कमबख्त तूने,
वो हँसी और बोली- मैं ज़िंदगी हूँ पगले
तुझे जीना सिखा रही थी।

नहीं भाई, नाम में बहुत कुछ रखा है

यूपी के एमएलसी चुनावों के लिए आयी इलाहाबाद–झांसी स्नातक मतदाता सूची में एक नाम आया कि राम ने यादव को मारा। अभी तक राम जी रावण को मारते आ रहे थे। मारा तो खैर उन्होंने बाली को भी।

वैसे तो यह किसी ज्ञानी ने ही कहा होगा और शायद शेक्सपियर ने ही कहा था कि 'नाम में क्या रखा है', जो अब एक कहावत–सी बन गई है। लेकिन इधर मामला यह नहीं रह गया है कि नाम में क्या रखा है बल्कि मामला यह हो गया है कि यह क्या नाम रखा है। नहीं जी नहीं, हम अपने नाम की बात नहीं कर रहे कि यह क्या नाम रखा है। बल्कि इधर चुनाव आयोग ने मतदाताओं के जो नाम रखे हैं, उन्हें देखकर आप हमसे यह सवाल करना भूल जाएंगे कि यह क्या नाम रखा है। वैसे तो हमारे यहां नामों का भी मजाक चलता ही है उत्तर से दक्षिण तक और पूरब से पश्चिम तक। और मजाक का क्या है जनाब, हम तो लोगों की विफलता का भी मजाक बना देते हैं। कोई फिसलकर गिर जाए तो उसका भी मजाक बना देते हैं। फिर नाम का मजाक बनाना क्या बड़ी बात है।

लेकिन इधर चुनाव आयोग ने मतदाताओं के जो नाम रखे हैं, उसने मतदाताओं, मतदाता सूचियों और खुद चुनाव आयोग का ही मजाक बना दिया है। अब तक चुनाव आयोग सबसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा था। लेकिन अब वह मजाक भी बन गया है। आइए देखते हैं कि कैसे वह मजाक बन रहा है। यूपी के एमएलसी चुनावों के लिए आयी इलाहाबाद–झांसी स्नातक मतदाता सूची में एक नाम आया कि राम ने यादव को मारा। अभी तक राम जी रावण को मारते आ रहे थे। मारा तो खैर उन्होंने बाली को भी। लेकिन उन्हें क्योंकि वे हर साल नहीं मारते हैं और रावण को हर साल मारते हैं तो लोगों के जेहन में यही बसा हुआ है कि राम ने रावण को मारा। लेकिन चुनाव आयोग की मतदाता सूची में राम ने यादव को भी मार दिया। अब क्योंकि हमारे यहां धर्म की तरह जाति का मसला भी काफी संवेदनशील होता है तो लोगों ने सवाल खड़ा कर दिया कि राम ने यादव को ही क्यों मारा? फिर पता चला कि नहीं राम ने यादव को ही नहीं, शर्मा को भी मारा है। मामला धर्म निरपेक्ष तो नहीं हुआ, पर जाति निरपेक्ष हो गया और फिर मूर्खचंद यादव का सवाल नहीं उठा। आयोग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली। कहा कि अच्छा हुआ कि किसी अल्पसंख्यक को नहीं मारा। वरना तो हम पर साम्प्रदायिक होने का आरोप लग जाता। लेकिन फिर पता चला कि उधर कोई मोहम्मद पागल रेहान मिल गया है और मोहम्मद इकबाल मीख भी मांगता है। नहीं जी नहीं। यह न तो मानसिक स्वास्थ्य का मामला है और न ही पेशे का। यह भी नाम ही हैं। इसलिए लोग अब यह नहीं कह रहे कि नाम में क्या रखा है बल्कि पूछ रहे है कि यह क्या नाम रखे हैं। नहीं क्या?

शैक्षिक सशक्तिकरण, पहुंच और अवसरों के विस्तार के 12 वर्ष

बी.एल. वर्मा

सामाजिक सशक्तिकरण के लिए शिक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समुदायों के छात्रों के लिए वित्तीय सहायता उनकी स्कूली शिक्षा जारी रखने, उच्च शिक्षा के लिए अवसर मुहैया कराने और अनुसंधान तथा पेशेवर करियर में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में मददगार साबित हो सकती है। वित्तीय वर्ष 2014–15 से 2025–26 के बीच, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने छात्रवृत्तियों, कोचिंग सहायता, विदेशों में शिक्षा के लिए सहयोग और ब्याज फैलोशिप के जरिए इन उद्देश्यों को पूरा करने का प्रयास किया है। विभाग का दृष्टिकोण वित्तीय बाधाओं को कम करने और शिक्षा के निरंतर विस्तार को मजबूत करने पर आधारित है। इसके प्रयासों का उद्देश्य अनुसूचित जातियों (एस.सी.), अन्य पिछड़ा वर्गों (ओ.बी.सी.), आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ई.बी.सी.) तथा डीनोटिफाई, घुमंतू और अर्ध–घुमंतू जनजातियों (डी.एन.टी.) के लिए अवसरों तक पहुंच को बेहतर बनाना है। इसके अलावा वित्तीय सहायता के साथ–साथ, छात्रवृत्ति प्रशासन में किए गए सुधारों के तहत पारदर्शिता, लाभार्थियों के सत्यापन और सहायता के सीधे वितरण पर भी खासा जोर दिया गया है। स्कूली वर्षों से ही शिक्षा पर जोर रू अनुसूचित जातियों व अन्य वर्गों के लिए प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना शुरुआती स्तर पर शिक्षा में मददगार साबित होती है। केंद्र प्रायोजित इस योजना का उद्देश्य साक्षरता को बढ़ावा देना, स्कूल छोड़ने की दर को कम करना और अनुसूचित जाति के बच्चों तथा ऐसे बच्चों की स्कूली शिक्षा को निरंतर बनाए रखना है, जिनके माता–पिता या अभिभावक अस्वच्छ और खतरनाक व्यवसायों में लगे हुए हैं। वित्त वर्ष 2014–15 से 2025–26 के दौरान, इस योजना के तहत 4,893 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता जारी की गई, जिससे इस पूरी अवधि में लगभग 3 करोड़ लोगों को लाभ मिला। केवल वित्त वर्ष 2025–26 में ही 562 करोड़ रुपए जारी किए गए, जिससे लगभग 27 लाख छात्रों को लाभ मिला। पोस्ट–मैट्रिक



छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति के छात्रों को स्कूली शिक्षा के बाद भी सहायता दी जाती है। इस प्रमुख योजना का उद्देश्य उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना, छात्रों को पढ़ाई जारी रखने में मदद करना और उच्च शिक्षा में एस.सी. छात्रों की भागीदारी को बढ़ाना है। वित्त वर्ष 2014–15 से 2025–26 के दौरान, इस योजना के तहत 46,581 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता दी गई, जिससे लगभग 6.13 करोड़ छात्रों को लाभ मिला। वित्त वर्ष 2025–26 में इस योजना ने 47.53 लाख छात्रों को सहायता प्रदान की। हस्तांतरण (डी.बी.टी.) प्रणाली लागू की गई। इस व्यवस्था के तहत, छात्रवृत्ति की राशि सीधे लाभार्थियों के आधार लिंक्ड बैंक खातों में भेजी जाती है। इस सुधार का मकसद जवाबदेही बढ़ाना, देरी और धन के दुरुपयोग को कम करना तथा छात्रोंतक सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना है। डिजिटल सत्यापन इस ढांचे का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। डी–डुप्लीकेशन प्रक्रियाएं फर्जी या डुप्लीकेट लाभाध्ययों की पहचान करने में मदद करती हैं, जबकि बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण और इलेक्ट्रॉनिक 'नो योर कस्टमर' सत्यापन पहचान की जांच को और मजबूत बनाते हैं।

डिजीलॉकर और ए.पी.आई. सेतु के साथ एकीकरण, प्रमाणपत्रों और दस्तावेजों के डिजिटल सत्यापन में सहायता करता है। वन–टाइम रजिस्ट्रेशन यानी एक बार पंजीकरण की सुविधा से विभिन्न योजनाओं और शैक्षणिक वर्षों के दौरान लाभार्थियों को ट्रैक करना संभव हो जाता है। शैक्षिक डाटाबेस के साथ जुड़ाव से संस्थानों और छात्रों के रिकॉर्ड की पुष्टि करने में मदद मिलती है, जबकि यू.आई.डी.एआई., एन.पी.सी.आई. और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पी.एफ.एम.एस.) के साथ जुड़ाव भुगतान प्रक्रिया को सरल बनाता है। ये सभी उपाय मिलकर उन प्रशासनिक प्रणालियों को मजबूत करते हैं, जिनके जरिए पात्र छात्रों तक छात्रवृत्ति सहायता पहुंचती है। उच्च शिक्षा और शोध के लिए नए मार्ग रू प्री–मैट्रिक और पोस्ट–मैट्रिक सहायता के अलावा, स्कॉलरशिप्स फॉर हायर एजुकेशन फॉर यंग अचीवर्स या श्रेयस योजना, कोचिंग, प्रतिष्ठित संस्थानों, विदेश में पढ़ाई और अनुसंधान के अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करने में मदद करती हैं। एस.सी. और ओ.बी.सी. छात्रों के लिए मुफ्त कोचिंग योजना, प्रतियोगी और पेशेवर परीक्षाओं की तैयारी कर रहे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को अच्छी कोचिंग के लिए वित्तीय मदद प्रदान करती है।

वित्त वर्ष 2025–26 में, 9.87 करोड़ रुपए खर्च करके 854 लाभार्थियों की मदद की गई। दरअसल इस सहायता का मकसद उन आध्यक बाधाओं को कम करना है, जिनका सामना छात्र शैक्षणिक और पेशेवर अवसरों की तैयारी के दौरान करते हैं। एस.सी. छात्रों के लिए टॉप क्लास एजुकेशन स्कीम देश भर के प्रमुख संस्थानों में पढ़ाई कर रहे मेधावी छात्रों को मदद करती है।

विदेशी तकनीक पर राष्ट्रीय निर्भरता और संप्रभुता पर इसके निहितार्थ

मनीष तिवारी

यूक्रेन में स्टारशील्ड टर्मिनलों पर एलन मस्क की स्पेसएक्स द्वारा लगाई गई गति सीमा, प्रत्यक्ष रूप से देखने पर भले ही एक तकनीकी मापदंड लग सकती है लेकिन व्यवहार में यह एक निर्णायक परिणाम वाला कदम था। यूक्रेनी ड्रोन ऑपरेटर, वे लोग जिन्होंने केवल अपनी चतुराई और स्टारलिंक टर्मिनलों के सहारे रूसी सेना को पीछे धकेलने में महीनों बिताए थे, ने अचानक पाया कि जैसे ही उनकी मशीनों की गति लगभग 160 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक होती, उनका संपर्क टूट जाता था। एक वरिष्ठ यूक्रेनी कमांडर ने बताया कि इन प्रतिबंधों के कारण उनकी यूनिट को 10 लाख डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ और अभियानों में 3 दिनों की देरी हुई। 'फ्लिंट' कॉल साइन से जाने जाने वाले एक कमांडर ने बताया कि गति पकड़ते ही एक ड्रोन का संपर्क 'पलक झपकते ही' टूट गया, वह जमीन पर गिर गया और उसका मिशन रद्द हो गया, जिससे उसकी तकनीक दुश्मनों के हाथों में पड़ने का जोखिम पैदा हो गया। एक ही कंपनी, जो एक ही व्यक्ति द्वारा नियंत्रित थी और जिसके फैसले किसी महाशक्ति के रणनीतिक रुख से अभिन्न हो चुके थे, द्वारा समर्थन की इस प्रत्यक्ष वापसी पर पिलट ने कहा, ''यह पीठ में छुरा घोंपने जैसा है।'' स्टारलिंक गति सीमा एक चेतावनी भरा संकेत थी। इसने दिखा दिया कि एक निजी कंपनी किसी सशस्त्र संघर्ष के बीच एक संप्रभु राज्य की सैन्य क्षमता को कमजोर कर सकती है और उस राज्य के पास सिर्फ याचना करने, तात्कालिक उपाय खोजने और मालिक के मिजाज बदलने का इंतजार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। रणनीतिक अभियानों में ऐसी भेद्यता विदेशी कॉरपोरेट घरानों पर राज्य की निर्भरता का परिणाम है। यही भेद्यता सूचना के क्षेत्र में भी मौजूद है, जहां राजनीतिक आंदोलनों को बढ़ाने या दबाने के लिए एल्गोरिदम को हथियार बनाया जा सकता है और आध्यक क्षेत्र में भी, जहां क्लाऊड कम्प्यूटिंग और ए.आई. पर नियंत्रण यह तय कर सकता है कि कौन से देश प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और कौन से नहीं। विदेशी स्वामित्व वाले क्लाऊड इन्फ्रास्ट्रक्चर, विदेशी उपग्रह समूहों, विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों या विदेशी ए.आई. मॉडलों पर निर्भर रहने वाली सरकारें अपने स्वयं के निर्णय लेने में पूरी तरह स्वतंत्र नहीं हैं। किसी ऐसे निजी पक्ष द्वारा, जिसके हित उनके हितों के अनुकूल हो भी सकते हैं और नहीं भी, उनकी गति को धीमा किया जा सकता है, उन्हें पूरी तरह बंद किया जा सकता है, या एल्गोरिदम के जरिए नुकसान पहुंचाया जा सकता है। दुनिया के 10 सबसे अमीर लोगों में से 7 अब तकनीकी ओलिगार्क (कुलीन) हैं और उनकी कुल संपत्ति अमरीकी जी.डी.पी. के लगभग 8 प्रतिशत के बराबर है। वे उस डिजिटल बुनियादी ढांचे को नियंत्रित करते हैं, जिस पर लोग, सरकारें और अर्थव्यवस्थाएं निर्भर हैं। किसी राज्य के पूरे तकनीकी नैटवर्क को किसी ऐसे अरबपति द्वारा बाधित किया जा सकता है, जिसकी कोई निजी शिकायत या राजनीतिक प्राथमिकता हो। टैक ओलिगार्क अपने स्वयं के निर्णय या अपनी गृह सरकार के निर्णय से ऊपर किसी भी सत्ता की वैधता को स्वीकार नहीं करता और उसके पास वैश्विक स्तर पर उस निर्णय के अनुसार कार्य करने के लिए बुनियादी ढांचा मौजूद है। इस संलिप्तता का ऐतिहासिक रिकॉर्ड छिपा हुआ नहीं है। जून, 2009 में, जब



दिन के समय बंद हो जाती। अमरीकी विदेश विभाग के अधिकारियों ने कंपनी से संपर्क किया और इसे पुनर्स्थापित करने का अनुरोध किया। ट्विटर ने रेखरखाव को आधी रात तक के लिए टाल दिया और कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि यह देरी इसलिए की गई क्योंकि 'ट्विटर वर्तमान में ईरान में एक महत्वपूर्ण संचार साधन के रूप में भूमिका निभा रहा है'।

यह सिलसिला अरब स्प्रिंग के दौरान और अधिक परिष्कार के साथ दोहराया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को कार्यकर्त्ताओं को उनके उपयोग में प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किए गए अमरीकी कार्यक्रमों द्वारा सक्रिय रूप से आकार दिया गया। 2010 में शुरू की गई विदेश विभाग की टैककैप पहल यूक्रेन जैसे देशों में प्रौद्योगिकीविदों, नागरिक समाज संगठनों और पत्रकारों को एक साथ लाई, जिसने डिजिटल साक्षरता, फैक्ट–चौकिंग और राजनीतिक संगठन के लिए प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में प्रशिक्षण प्रदान किया। बंगलादेश में, अमरीकी दूतावास ने 'पत्रकारों को सशक्त बनाना, सत्य सुनिश्चित करना' विषय पर आयोजित टैककैंप में प्रशिक्षित युवा पत्रकारों को अनुदान दिया, जिससे गलत सूचनाओं से निपटने और मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं को वित्तपोषित किया गया। लोकतांत्रिक और सत्तावादी, दोनों प्रकार के संप्रभु शासनों के लिए इसके निहितार्थ गहरे और तात्कालिक हैं। लोकतांत्रिक देशोंके लिए यह खतरा अधिक कपटपूर्ण है क्योंकि यह उन्हीं माध्यमों से काम करता है जिन पर लोकतंत्र निर्भर करता है। जब कोई अरबपति सी.ई.ओ. किसी राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के लिए किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का पुनर्गठन कर सकता है, या जब कोई अन्य प्लेटफॉर्म अपने संस्थापक की मनमर्जी पर फैक्ट–चौकिंग कार्यक्रमों को बंद करने और हेट स्पीच से जुड़ी नीतियों में ढील देने की घोषणा कर सकता है, तो नागरिकों द्वारा राजनीतिक निर्णय लेने के लिए जिस सूचना परिवेश पर भरोसा किया जाता है, उसे सार्वजनिक विचार–विमर्श की बजाय निजी प्राथमिकताओं द्वारा आकार दिया जा रहा होता है। इसका समाधान केवल फायरवॉल लगाने या विनियामक सुरक्षा उपायोंतक सीमित नहीं हो सकता, हालांकि दोनों आवश्यक हैं। जो राष्ट्र उपग्रह संचार, क्लाऊड कम्प्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस मॉडल या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए किसी विदेशी निजी कंपनी पर निर्भर करता है, उसने प्रभावी रूप से अपनी संप्रभुता के एक पहलू को एक ऐसे पक्ष को सौंप दिया है, जो केवल अपने शेयरधारकों और अपने संस्थापक के प्रति जवाबदेह है।

एआई के दौर में साइबर सुरक्षा की चुनौती

पिछले दिनों साइबर हमलों में भारी वृद्धि ने कई देशों में ऑनलाइन सेवाओं को पंगु कर डाला। इन हमलों के व्यापक दायरे को देखते हुए, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इसे 'ब्लैक अक्तूबर' का नाम दिया है, जबकि कुछ इसे 'वल्नरेबिलिटी की प्रलय कह रहे हैं। साइबर हमलों में भारी वृद्धि ने कई देशों में ऑनलाइन सेवाओं को पिछले दिनों पंगु कर डाला। बैंक, बीमा कंपनियां, सरकारी सेवाएं, शिक्षा और यूटिलिटी सेवाएं कई मामलों में प्रभावित हुई हैं। जापान की एक ऑनलाइन वित्तीय सेवा कंपनी ने अपने विदेशी मुद्रा व्यापार प्लेटफॉर्म पर हुए साइबर हमले के कारण ग्राहकों को हुए नुकसान की भरपाई करने का फैसला किया है।

अमेरिका में, कई सरकारी और निजी वेबसाइटों को अपने सिस्टम में बचाव के उपाय करने के लिए कुछ समय के लिए ऑफलाइन करना पड़ा। टेक्सास की एक यूटिलिटी कंपनी ने डेटा लीक होने की सूचना दी, जिससे दस लाख से अधिक निवासी प्रभावित हुए और उनकी निजी जानकारी उजागर हो गई। भारतीय स्टेट बैंक के लगभग 4,000 ग्राहकों का डेटा लीक हो गया, जबकि तेलंगाना सरकार की औद्योगिक मंज़ूरी से जुड़ी एक वेबसाइट को हैक कर लिया गया। इन हमलों के व्यापक दायरे को देखते हुए, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इसे 'ब्लैक अक्तूबर' का नाम दिया है, जबकि कुछ इसे 'वल्नरेबिलिटीज' यानी वल्नरेबिलिटी की प्रलय कह रहे हैं।

साइबर हमला तब होता है, जब किसी वेबसाइट को चलाने वाले सॉफ्टवेयर में सेंध लगाने की गुंजाइश होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों का काम ऐसी कमियों का पता लगाना और उन्हें ठीक करना होता है। हालांकि, यह पूरी प्रक्रिया उतनी आसान नहीं है, जितनी सुनने में लगती है। इसमें कई तरह के सॉफ्टवेयर प्रोग्राम शामिल होते हैं दृ जैसे कि ऑपरेटिंग सिस्टम, एप्लिकेशन, फर्मवेयर, क्लाउड, डेटाबेस मैनेजमेंट, नेटवर्किंग, एंटरप्राइज प्लानिंग, सप्लाई चेन आदि दृ और इनकी खरीद अलग–अलग आपूर्तिकर्ताओं या वेंडरों से हो सकती है। ये कमियां मसलन, मेमोरी सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं, इंजेक्शन फ्लॉ, ऑथेंटिकेशन में गड़बड़ी, क्रिप्टोग्राफिक विफलताएं और डिपेंडेंसी कन्फ्यूजन हो सकती हैं। एक हैकर सिस्टम की किसी भी कमी का फायदा उठा सकता है। एआई इंजन और टूल्स के आने से इस 'कमियों और हैकिंग' वाले इकोसिस्टम में बहुत बड़ा बदलाव आया है। अब तक, किसी कमी का पता लगाना एक जटिल, समय लेने वाला और मेहनत भरा काम था। केवल उच्च कोटि के विशेषज्ञ हैकर ही ऐसा कर पाते थे और उन्हें भी इसमें बहुत मशक्कत करनी पड़ती थी। लेकिन अब, जेनरेटिव एआई टूल्स की मदद से कमियों को आसानी से ढूंढा जा सकता है, जिससे हैकिंग का काम स्वचालित हो गया है। यही कारण है कि इस महीने हमलों की बाढ़–सी आ गई है। एआई टूल्स व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर में कमियों का पता लगाने में मदद कर सकते हैं, जिनमें वे कमियां भी शामिल हैं, जो पहले किसी की नजर में नहीं आई थीं। ऐसा लगता



है कि हमलों का यह मौजूदा दौर पीएचपी प्रारूप आधारित साइटों में मौजूद कमियों से जुड़ा है। पीएचपी एक ओपन–सोर्स स्क्रिप्टिंग भाषा है, जिसका इस्तेमाल डायनामिक वेबपेज बनाने के लिए किया जाता है। दुनिया भर की लाखों वेबसाइटें हमलों की चपेट में आ सकती हैं। हैकर्स महत्वपूर्ण डिजिटल साइटों में पीएचपी की कमजोरियों का पता लगाने और उन पर हमला करने के लिए एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

जहां एक तरफ हैकर्स 'बग' खोजने के काम को ऑटोमेट करने और नए तरह के मैलवेयर बनाने के लिए एआई इंजन और एलएलएम का इस्तेमाल कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ एआई कंपनियां खुद ऐसी कमजोरियों की पहचान करने के लिए टूल्स विकसित कर रही हैं ताकि किसी हमले से पहले ही उसका तोड़ हाथ में हो। ओपन एआई और एंथ्रोपिक नामक कंपनियों ने साइबर सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए एडवांस्ड 'जेनरेटिव एआई एजेंट' विकसित किए हैं।

हालांकि, एआई एक दोधारी तलवार है। अगर कोई एआई एजेंट किसी कमजोरी का पता लगा ले, तो वह सिस्टम को हैक करने के लिए उसका फायदा भी उठा सकता है। इन दोनों कंपनियों द्वारा विकसित किए गए प्रयोगात्मक एजेंटों ने ठीक ऐसा ही किया। उन्होंने असल दुनिया में बाहरी सिस्टमों पर हमले किए। इस साल की शुरुआत में एंथ्रोपिक ने खुलासा किया कि उसके एक एजेंट ने संवेदनशील जानकारी और कॉर्पोरेट डेटा चुरा लिया। इतना ही नहीं, उसे यह पता होने के बावजूद कि वह किसी लैब में नहीं, बल्कि लाइव इंटरनेट पर काम कर रहा है, उसने अपना हमला जारी रखा। ओपन एआई के एक एजेंट ने तो एक जर्मन वेबसाइट को हैक करके उसे एआई एजेंटों के लिए एक निजी मैसेज बोर्ड में बदल दिया। भारत को अपने विशाल डिजिटल तंत्र और ऑनलाइन सार्वजनिक सेवाओं को देखते हुए इन घटनाओं पर ध्यान देना चाहिए और जरूरी बचाव के कदम उठाने चाहिए। साइबर सुरक्षा की निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसी, 'इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम' (सीईआरटी–इन) ने हाल की घटनाओं, जिनमें पीएचपी की कमजोरियां भी शामिल हैं, को लेकर कई चेतावनियां जारी की हैं। इससे भी गंभीर बात यह है कि एजेंसी ने भारतीय डिजिटल संपत्तियों पर एआई एजेंटों द्वारा किए गए हमलों की पुष्टि की है। एजेंसी के अनुसार, ये एजेंट खुद अपना काम प्लान करने, कमांड देने, टूल तैनात करने और लंबे समय तक वेब पर सक्रिय रहने में सक्षम हैं। जो एआई एजेंट अभी 'रिसर्च और मूल्यांकन' के चरण में थे, वे गलती से रिलीज हो गए और अनधिकृत तरीके से भारतीय डिजिटल तंत्र तक पहुंच गए। भारतीय संगठनों की लाइव वेबसाइटों पर हुए इन हमलों के कारण उनके बिजनेस रिकॉर्ड, व्यक्तिगत डेटा और गोपनीय जानकारी लीक हो गई। सबसे चिंताजनक बात यह है कि संबंधित संगठनों को इन डेटा लीक्स का पता ही नहीं चलाय यह बात तब सामने आई, जब एआई मॉडल डेवलपर्स ने खुद सीईआरटी–इन को इसकी जानकारी दी। इसके अलावा, एजेंसी ने पाया है कि हैकर्स ने ओपन–सोर्स 'एजेंटिक टूल्स' का इस्तेमाल करके भारतीय वेबसाइटों पर 'आर्थिक लाभ के लिए घुसपैठ की है।

भारत में हाल ही में हुए हमलों से पता चलता है कि एआई टूल्स हमलों के पैमाने को पूरी तरह से बदल देंगे। अब किसी सिस्टम में घुसपैठ होने और उसके गंभीर परिणाम सामने आने के बीच का समय कुछ दिनों से घटकर केवल कुछ घंटे रह गया है। हमलावरों ने कई एआई एजेंटों का इस्तेमाल किया, जो घंटों से लेकर कई दिनों तक सक्रिय रहे। इससे पता चलता है कि एआई–आध्यारित हमलों में एक साथ कई एजेंटों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

पत्रकार एक युग निर्माता के रूप में शिल्पिकार है

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। पत्रकार युग निर्माता के रूप में शिल्पिकार है शिल्पकार की भूमिका होती है जिस स्तर पर शिल्पिकार हो मजबूत रचना करना, सुंदर रचना करना, उसी प्रकार पत्रकार समाज और देश दुनिया को निर्माण करता है और निर्माण करना ही शिल्पी का कार्य है। पत्रकार बुरे कार्यों को उजागर करता है अच्छे कार्यों को प्रसारित करता है, गलत नेताओं और अधिकारियों पर लगाम लगिता है, यह पत्रकार का मुख्य कार्य होता है। उक्त बातें पत्रकार एकता समन्वय समिति जनपद देवरिया इकाई द्वारा तहसील समागार सलेमपुर में आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह में बोलते हुए बतौर मुख्य अतिथि अनिल मणि त्रिपाठी पूर्व अध्



यक्ष केन यूनियन, बैतालपुर ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा पत्रकारों की एक–एक बातों को निर्भरता को जिक्र करता है। सभी पत्रकारों को चाटुकारो से सजग रहने का सलाह दिया। विशिष्ट अतिथि अरुण पाण्डेय ने कहा कि पत्रकार जगत का एक महान रचयिता है, पत्रकार अगर शांत हो जाए तो दुनिया सो जाएगी, पत्रकार दुनिया को जगाता है और समाज निर्माण में आम भूमिका निभाता है। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्वामित्र मिश्रा ने कहा कि पत्रकार एकता समय समिति दुनिया का एक ऐसा संगठन है जो किसी भी विधा का प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चेंज सुविधा की पत्रकार हो चाहे किसी भी संगठन से हो उसके उत्पीड़न को हम करते हैं बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। इसके लिए शासन और प्रशासन से जो भी करना पड़ेगा उसको करूंगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकार एकता समन्वय समिति के संरक्षक योगेंद्र नाथ त्रिपाठी ने किया।

सम्मान समारोह को राष्ट्रीय उपाध्यक्षों डॉक्टर तनवीर आलम, डॉक्टर शिवकुमार यादव, विनय गुप्ता राजाराम गुप्ता, लियाकत अहमद, शिवाकांत तिवारी, रमन तिवारी आदि ने संबोधित किया। संचालन डॉ भूपेश कुमार ने किया। डा० तनवीर आलम ध्डॉ. शिव कुमार यादव,ध लियाकत अहमद, मान सिंह, ध्हरिशंकर गुप्ता, ध्सत्यम गुप्ता, ध्ओम प्रकाश गुप्ता, ध्वीरेंद्र कुमार पाण्डेय, नीतिश सिंह, सुमेश वर्मा, रमनतिवारी, ध्जवाहर लाल गुप्ता, ध्मण्डलेश्वर त्रिपाठी, ध्विनोद कुमार यादव, ध्जनमजय सिंह, ध्बाला विश्वकर्मा, ध्त्रिशूल तिवारी,ध्अजय कुमार पासवान, ध्अफजल अंसारी

, ध्अकाश कुमार, ध्मनोज सिंह चौहान, ध्आशीष कुमार बरनवाल, ध्लक्ष्मण वर्मा, ध्राजाराम गुप्ता,ध्रमुनाथ उपाध्याय, ध्धनेश तिवारी, ध्मोहर यादव, अखिलेश जायसवाल, ध्विकांत त्रिपाठी, ध्शिवकान्त तिवारी, ध्सतीश कुशवाहा, ध्दिलीप पाण्डेय, ध्रमेश यादव, ध्हरिश्चन्द्र पाण्डेय, ध्राजेन्द्र कश्यप आदि ने अपनी सहभागिता निभाई।

नदी मे तैरता मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

पीआरबी ने नाव की मदद से शव को नदी से निकाला

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। एक व्यक्ति का शव नदी मे तैरता हुआ देख ग्रामीणों ने पीआरबी टीम को सूचना दी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस और पीआरबी टीम ने नाव की मदद लेकर कड़ी मेहनत के बाद शव को नवलपुर घाट समीप एक किनारे पहुंचाया और उसे बाहर निकाला।

शव के अत्यधिक फूल जाने और बदबू आने के कारण वहीं शरीर के कुछ हिस्सों के पानी के जानवरों द्वारा छत विक्षत कर देने के कारण उनकी पहचान नहीं हो सकी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम देवरिया उर्फ शामपुर गांव के शामपुर मोहल्ले मे रविवार सुबह ग्रामीणों ने पुलिस को नदी मे तैरते एक शव देख पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नाव और स्थानीय लोगो के जरिए शव को नदी के एक किनारे नवलपुर घाट समतल क्षेत्र पर लाए। मछलियों और नदी के अन्य जानवरों के आक्रमण कारण शव छत विक्षत हो गया था जिससे व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी हालांकि मृतक व्यक्ति के शव के जेब से एक मोबाइल फोन पुलिस को मिला है जिससे व्यक्ति की पहचान करने मे जुटी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए देवरिया मर्चरी हाउस भेज दिया। शव को देख सैकड़ों की संख्या मे ग्रामीण जुट गए और शव निकालते समय तमाशबीन बने रहे।

डीएम ने PET परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने रविवार को PET–2026 परीक्षा के लिए बनाए गए केंद्रों – पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज और बाबा राघव दास इंटर कॉलेज का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने कक्षों में बैठने की व्यवस्था, CCTV निगरानी, सुरक्षा, आवागमन, पेयजल और शौचालय सुविधाओं को देखा और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों से जानकारी ली। डीएम ने परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और नकलविहीन कराने, मानकों का सख्ती से पालन, CCTV से सतत निगरानी, सुव्यवस्थित प्रवेश–निकास और यातायात बाधित न होने देने के निर्देश दिए।

उद्यान विभाग किसानों को दे रहा अनुदानित आलू और रबी सब्जियों का बीज

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। उद्यान विभाग द्वारा किसानों को अनुदानित दर पर आलू और रबी सब्जियों के बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिला उद्यान अधिकारी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि कुफरी सिंदूरी (लाल) और कुफरी संगम (सफेद) प्रजाति का 120 कुंतल आधारित प्रथम श्रेणी का बीज राजकीय पौधशाला भुजौली कॉलोनी में उपलब्ध है। इस पर 1000 रु.कुंतल अनुदान है, जिसके बाद दर – प्रथम श्रेणी 2630 रु. और ओवरसाइज 2040 रु. प्रति कुंतल है।

उन्होंने अर्णब तूफान की बारिश को देखते हुए बीज को छायादार–हवादार जगह पर अंकुरण के लिए रखने और मौसम साफ होने पर शोधन कर बुवाई की सलाह दी।

रबी में मटर की 5 प्रजातियों समेत मेथी, मूली, धनिया, पालक, राजमा के आधारित–प्रमाणित बीज 85 से 325 रु.किग्रा पर करीब 1000 किग्रा वितरित किए जा रहे हैं। संपर्क – उद्यान निरीक्षक रणजीत यादव, मो. 9918343346।

मेगा विधिक सहायता शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र

बहराइच,संवाददाता। जिले में उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में रविवार को कपूरथला स्थित उत्थान ऑडिटोरियम भवन में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से शुरू होकर करीब तीन घंटे तक चला। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश राजेश कुमार सिंह और जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया इस दौरान आयुष्मान एवं आशा कार्ड, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, पारिवारिक लाभ, कृषक दुर्घटना बीमा, निराश्रित महिला अनुदान, कौशल विकास सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाणपत्र, टूल किट, गोल्डन कार्ड, डेमो चेक एवं कृषि यंत्र वितरित किए गए।

ग्राम नरसिंहडाड में 'वोट बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ' संकल्प कार्यक्रम सम्पन्न

विभिन्न राजनीतिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा का लिया संकल्प

सलेमपुर, देवरिया। क्षेत्र के ग्राम नरसिंहडाड में रविवार को 'वोट बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ' संकल्प कार्यक्रम विभिन्न राजनीतिक संगठनों के कार्यकर्ताओं की सहभागिता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लोकतांत्रिक व्यवस्था, मताधिकार की सुरक्षा तथा चुनावी प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर राष्ट्रीय समानता दल उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष संजयदीप कुशवाहा ने कहा कि वोट केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि आम नागरिक की राजनीतिक ताकत और संवैधानिक अधिकार है। मतदाता सूची की पारदर्शिता, निष्पक्ष चुनाव और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता लोकतंत्र की बुनियाद है। प्रत्येक नागरिक को अपने



मताधिकार के प्रति जागरूक होना चाहिए। सीपीआई (एमएल) के प्रदेश सचिव विनोद सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। जनता के मताधिकार की रक्षा करना सभी लोकतांत्रिक संगठनों और जागरूक नागरिकों की साझेदारी है।

अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि निरंतर जनजागरूकता और नागरिक भागीदारी से संभव है। इसके लिए गांव–गांव में जनसंवाद और मतदाता जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हरेराम यादव ने कहा कि संविधान द्वारा प्रत्येक नागरिक को दिए गए मतदान के अधिकार का संरक्षण होना चाहिए। लोकतंत्र में जनता की आवाज और उसके मत का सम्मान सर्वोपरि है।

कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न राजनीतिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक अधिकारों, निष्पक्ष चुनाव और मताधिकार की रक्षा के लिए मिलकर जनजागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में हरेकृष्ण, गुलाब यादव, रामाशीष, सुनील, रामग्यास, अनिरुद्ध चौहान, बाबूलाल चौहान, राजू यादव, मनोज गोड़, विकास, महेश, राकेश कुमार, इत्यादि लोग उपस्थित रहें।

पचलड़ी पिडरा घाट पर 242 मीटर नए सेतु का प्रस्ताव, 37.58 करोड़ की लागत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, देवरिया। देवरिया– रुद्रपुर–करहकोन मार्ग पर गौरा नदी पर पचलड़ी पिडरा घाट में 1988 में बना 120 मीटर का पुल बाढ़ में हर साल क्षतिग्रस्त हो जाता है। लोक निर्माण विभाग ने प्रस्तुत की से मॉडल स्टडी कराई है। रिपोर्ट के आधार पर पुराने पुल के समानांतर 242.48 मीटर लंबे नए सेतु, पहुंच मार्ग और सुरक्षा कार्यों के साथ 37.58 करोड़ रुपये की योजना बनाई है। यह कार्य वित्तीय वर्ष 2026–27 की कार्ययोजना में शामिल है और संसाधनों की उपलब्धता पर निर्माण होगा, जिसमें करीब 2 साल लगेंगे। फिलहाल सुरक्षित आवागमन के लिए अस्थायी सुरक्षात्मक कार्य का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। हाल की भारी बारिश से हुए रेनकट को मिट्टी भरी बोरियों से ठीक किया जा रहा है और यातायात सुचारू है।

रोटी बैंक की महिला टीम ने 100 मरीजों को फल-बिस्किट बांटे

बांदा,संवाददाता। जिला महिला अस्पताल में रोटी बैंक की महिला टीम ने रविवार, 1 नवंबर 2026 को करीब 100 मरीजों और उनके तीमारदारों को फल, बिस्किट और अन्य खाद्य सामग्री बांटी। टीम ने मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल भी जाना। यह सेवा कार्यक्रम बांदा रोटी बैंक सोसाइटी के संरक्षक शेख सादी जमा और सह संरक्षक चंद्रमौली भारद्वाज के संरक्षण में हुआ। महिला टीम की अध्यक्ष तबस्सुम फात्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। महिला उपाध्यक्ष तरन्नुम फात्मा ने अभियान का नेतृत्व किया।जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनीता सिंह के निर्देशन और अस्पताल स्टाफ के सहयोग से मरीजों और उनके तीमारदारों तक



फल–बिस्किट पहुंचाए गए। महिला टीम की शाखा प्रमुख शहाना खान ने मरीजों को उनके मौलिक अधिकारों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और अपने अधिकारों की जानकारी रखने की बात कही। इस सेवा कार्य में बांदा रोटी बैंक के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रिजवान अली, उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम, कार्यालय प्रभारी मोहम्मद शमीम, महिला उपाध्यक्ष तरन्नुम फात्मा, महिला कोषाध्यक्ष रेणुका गुप्ता, महिला शाखा प्रमुख शहाना खान, ईदगाह शाखा प्रमुख नसीर खान, मर्दन नाका उप शाखा प्रमुख निहाल खान, छिपटहरी उप शाखा प्रमुख अलीमुद्दीन और सदस्य मोहम्मद यूनुस शामिल हुए। सुरक्षा गार्ड और अन्य सहयोगियों ने भी मदद की। कार्यक्रम के अंत में उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम ने अस्पताल प्रशासन, चिकित्सकों, स्टाफ एवं सेवा कार्य में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी की महिला टीम का यह प्रयास समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का संदेश देता है। जरूरतमंद मरीजों के बीच पहुंचकर उनकी सहायता करना इस बात का उदाहरण है कि समाजसेवा केवल शब्दों तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरत के समय किसी के काम आने का नाम है।

युवक का शव घर में फंदे से लटका मिला

बस्ती,संवाददाता। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के बडेरिया बुजुर्ग गांव में रविवार सुबह करीब 8 बजे घर के अंदर 32 वर्षीय आशीष का शव फंदे से लटका मिला। परिजनों ने शव देखा तो घर में चीख–पुकार मच गई। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान गांव निवासी आशीष (32) पुत्र रंजीत के रूप में हुई है। वह अपने पीछे पत्नी और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। घटना के बाद से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक शशांक शेखर राय ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी जानकारी अभी नहीं हो सकी है। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कतर्नियाघाट में जंगल सफारी का विधायक प्रतिनिधि ने फीता काटकर उद्घाटन किया

बहराइच,संवाददाता। जिले के कतर्नियाघाट में रविवार को पर्यटन सत्र शुरू हुआ। दोपहर 12 बजे प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) अपूर्व दीक्षित के नेतृत्व में बलहा विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल ने फीता काटकर उद्घाटन किया। करीब एक घंटे तक धार्मिक अनुष्ठान चला। इसके बाद मेहमानों को जिप्सी में बैठाकर जंगल सफारी शुरू कराई गई। डीएफओ और आलोक जिंदल ने सफारी को हरी झंडी दिखाई। आलोक जिंदल ने कहा कि सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जंगल तक जाने वाली नई सड़कें बनवाई है। पर्यटन से जुड़ी दूसरी व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाया जा रहा है। डीएफओ अपूर्व दीक्षित ने बताया कि इस साल रेट लिस्ट में बदलाव नहीं किया गया है। पर्यटकों के लिए दरें पिछले साल जैसी ही रहेंगी। उन्होंने पर्यटकों से कतर्नियाघाट आकर जंगल और यहां के दुर्लभ जीव–जंतुओं को देखने की अपील की।



उन्होंने कहा कि इस बार साफ–सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। पर्यटकों के लिए घड़ियाल सेंटर के पास सेल्फी पॉइंट और घड़ियाल व्याख्या केंद्र बनाया गया है। पर्यटक दोनों जगहों पर जा सकेंगे। घड़ियाल सेंटर के पास बने वनधन केंद्र में पर्यटक थारू जनजाति के लोगों के हाथों से बनी चीजें खरीद सकेंगे। ये सामान जंगल के पेड़–पौधों और फूल–पत्तियों से तैयार किए जाते हैं। स्टॉल की मुखिया और चंदन चौकी निवासी निर्मला ने बताया कि यहां दीवार घड़ी, टोपी, पर्स, चप्पल और बर्तन समेत दर्जनों तरह के सामान उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में कतर्नियाघाट के रेंजर आशीष गौड़, धर्मापुर के रेंजर दीपक मिश्रा, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी दबीर हसन, डिप्टी रेंजर मयंक पांडे, वन दरोगा योगेश सिंह और वन रक्षक सूरज कुमार, हीरा लाल यादव, अन्नू शुक्ला, विजय पांडे और मंसूर अली मौजूद रहे।

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में तीन नवंबर को निर्मला सीतारमण करेंगी स्मारक सिक्का का लोकार्पण

वाराणसी,संवाददाता। कर्नाटक संगीत के महान संगीतज्ञ मुथुस्वामी दीक्षितर की 250वीं जयंती पर भारत सरकार तीन नवंबर को उनके सम्मान में स्मारक सिक्का जारी करेगी। आइआइटी बीएचयू के भारतीय ज्ञान परंपरा उत्कृष्टता केंद्र (सीओई–आइकेएस) की ओर से बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय वित्त एवं कारपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण सिक्के का लोकार्पण करेंगी। सिक्का शाम 3.58 से 4.20 बजे के बीच जारी किया जाएगा। आयोजन की शुरुआत दोपहर 2.15 बजे भारतीय ज्ञान परंपरा उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन से होगी। इसके बाद मुख्य अतिथि स्वतंत्रता भवन पहुंचेंगी। दीप प्रज्ज्वलन और महामना पं. मदन मोहन मालवीय को श्रद्धांजलि के बाद वैदिक मंत्रोच्चार और कुलगीत की प्रस्तुति होगी। आइआइटी बीएचयू



कुलपति के संबोधन के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री स्मारक सिक्का जारी करेंगी और संबोधित करेंगी। इसके बाद आइआइटी बीएचयू के निदेशक का संबोधन होगा। भारतीय ज्ञान परंपरा उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ वंदेमातरम और राष्ट्रगान होगा। मुथुस्वामी दीक्षितर कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति में शामिल थे। उनकी रचनाओं में संस्कृत, भारतीय दर्शन और शास्त्रीय रागों का अनूठा समन्वय मिलता है। उनके जीवन और संगीत पर काशी प्रवास की भी गहरी छाप रही।

लटकती हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई महिला, मौत

बहराइच,संवाददाता। जिलेके रुपईडीहा थाना क्षेत्र के कलुवाडीह गांव में रविवार को 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से 48 वर्षीय जलपता की मौत हो गई। वह खेत की ओर गई थीं। हादसे के बाद परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। जानकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर करीब एक बजे खेत में लटक रहे बिजली के तार की चपेट में आने से जलपता झुलस गईं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।हादसे के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई। उन्होंने बिजली लाइनों की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने और हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों के लिए विधिक साक्षरता शिविर लगा,अधिकारों की दी गई जानकारी

उरई / जालौन,संवाददाता। जालौन तहसील के छानीखास गांव में मां दुर्गाजी मंदिर परिसर में विधिक साक्षरता शिविर लगाया गया। इसमें ग्रामीणों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। शिविर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जालौन (उरई) ने आयोजित किया। शिविर की अध्यक्षता न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सिविल जज जूनियर डिवीजन जालौन जावेद खान ने की। न्यायिक तहसीलदार जालौन प्रतिभा पाल मुख्य अतिथि थीं। अधिवक्ता और तहसील विधिक



सेवा समिति के सदस्य प्रदीप कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप जलाने के बाद शिविर शुरू हुआ। प्रतिभा पाल ने तहसील स्तर की लामकारी योजनाओं और फ्लैग कोड के बारे में बताया। प्रदीप कुमार ने शिविर की रूपरेखा रखी और थर्ड जेंडर के अधिकारों से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने थर्ड जेंडर के हितों के लिए कानूनी व्यवस्था दी है। प्रदीप कुमार ने लोगों से अपील की कि थर्ड जेंडर समुदाय के लोगों की उपेक्षा न करें और उन्हें समाज में रहने का अधिकार दें। जावेद खान ने ग्रामीणों की शिकायतें सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए।

उन्होंने ग्रामीणों से 1 नवंबर 2026 को सुबह 10 बजे राजकीय मेडिकल कॉलेज, जालौन (उरई), गेट नंबर 1 पर पहुंचने की अपील की। वहां मेगा विधिक सेवा सहायता एवं सेवा शिविर में योजनाओं का लाभ लिया जा सकेगा।

एयरपोर्ट पर नौकरी के नाम पर ठगी,असम की युवती को किया गया गिरफ्तार

नोएडा,संवाददाता। नोएडा में एयरपोर्ट पर हेल्पर और इलेक्ट्रिशियन की नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाली असम की युवती को साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी युवती सेक्टर–143 स्थित लॉजिक्स ब्लॉसम सोसाइटी में किराये पर रह रही थी। पुलिस ने उसके पास से लैपटॉप, मोबाइल और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं। आरोपी 250 से ज्यादा लोगों से 25 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर चुकी है। थाना प्रभारी विजय सिंह राणा ने बताया कि आरोपी की पहचान असम के सोनितपुर जिले के तेजपुर गांव की रहने वाली ब्यूटी बोरबोरह उर्फ निशा के रूप में हुई है। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से उसकी जानकारी जुटाकर गिरफ्तारी की। पूछताछ में पता चला कि आरोपी साइन एजुकेशन नाम से कंपनी चलाती थी।

लव गिल के सपोर्ट में उतरे सलमान खान



पहले से तय कुछ कामों की वजह से पिछले वीकेंड का वार में शामिल न हो पाने के बाद, बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान बिग बॉस 20 में होस्ट के तौर पर वापस आ गए हैं। ऐसा लगता है कि वे किसी को भी बख्शने के मूड में नहीं हैं और कंटेस्टेंट्स की गलतियों पर उन्हें जमकर फटकार लगा रहे हैं। आने वाले एपिसोड के प्रोमो में, सलमान खान स्काउट को फटकार लगाते हुए दिख रहे हैं। पिछले वीकेंड का वार में भी रोहित शेट्टी और स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी ने, साथी कंटेस्टेंट लव गिल के साथ स्काउट की बढ़ती नजदीकियों और उन्हें मसाज देने की उनकी आदत को लेकर उनसे सवाल–जवाब किए थे। सलमान ने स्काउट से पूछा कि जब वह लव गिल को अपनी बहन जैसी दोस्त मानते हैं, तो फिर उनके बचाव में क्यों नहीं खड़े हुए? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या लव गिल उन्हें इमोशनली मैनिपुलेट कर रही थीं। सलमान ने कहा, स्काउट, आप किसी के प्रति वफादार नहीं हैं, जिसे आप बहन जैसी दोस्त कहते हैं, उसे आप अपनी गर्लफ्रेंड के सामने भी डिफेंड नहीं कर पाए। उन्होंने आगे कहा रिश्ता तो ठीक है, लेकिन मसाज क्यों? अगर किसी को पटाने के चक्कर में आपने कोई झूठा वादा किया है, तो आपसे घटिया इंसान कोई नहीं है। पिछले हफ्ते, बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड में स्काउट ओपी की गर्लफ्रेंड काशवी आई थीं।

वहां उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड तन्मय (स्काउट) से, साथी कंटेस्टेंट लव गिल के साथ उनकी बढ़ती नजदीकियों को लेकर सवाल किए। स्टेज पर आने के दौरान, काशवी ने लव गिल से भी बात की और उन पर स्काउट ओपी को फंसाने का आरोप लगाया। हालांकि, कई दर्शकों ने अपने बॉयफ्रेंड से सवाल पूछने के लिए काशवी का समर्थन किया। लव गिल के खिलाफ उनकी टिप्पणियां सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग को पसंद नहीं आईं। कई लोगों ने लव के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करने के लिए काशवी की आलोचना की, जिससे सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। इस आलोचना के बीच, काशवी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने उन सभी लोगों से माफी मांगी जिन्हें उनकी बातों से दुख पहुंचा है। काशवी ने आगे कहा, मैं समझती हूं कि मेरे शब्दों का असर होता है, और मेरी बातों को जिस तरह से समझा गया, उसकी जिम्मेदारी मैं लेती हूं। श्वह जानती है कि वह क्या कर रही है और यह उसकी रणनीति है जैसे कंटेंट को देखकर मेरी सोच प्रभावित हो गई थी, लेकिन मुझे अधिक समझदारी दिखानी चाहिए थी। उसे कुछ भी कहने का मुझे कोई हक नहीं है। मैं अपनी गलती मानती हूं और जिन लोगों को भी मेरी बातों से दुख पहुंचा है, उनसे दिल से माफी मांगती हूं।

सड़क हादसे में भतीजे विदित औलुक की मौत से टूटे हनी सिंह

पंजाब के जालंधर में रविवार, 1 नवंबर को तड़के हुए एक दुखद हादसे में दो युवकों की जान चली गई। दोनों दोस्त बर्थडे पार्टी में शामिल होकर वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। इस हादसे का शिकार बने मृतकों में प्रसिद्ध पंजाबी म्यूजिक कंपनी स्पीड रिकार्ड्स के मालिक दिनेश के बेटे विदित अलोक शामिल हैं, जो मशहूर पंजाबी गायक यो यो हनी सिंह के रिश्ते में भतीजे लगते थे। वहीं दूसरे मृतक की पहचान शहर के जाने–माने पैपी स्वीट्स के मालिक के बेटे आरव तलवार के रूप में हुई है। इस हादसे पर गायक यो यो हनी सिंह ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक स्टोरी साझा की, जिसमें विदित के पिता दिनेश को टैग करते हुए इस दुखद खबर की पुष्टि की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए इस दुखद खबर की पुष्टि करते हुए, हनी सिंह ने अपने भतीजे के जाने पर गहरा दुख जताया। एक भावुक संदेश साझा करते हुए गायक ने लिखा, यह मेरे लिए एक बहुत ही बुरा दौर है... अपने भतीजे को खोना दिल तोड़ने वाला है। भोलेनाथ कृपा करें, कृपा करें, कृपा करें ⁄ कपदर्मीनसनबा। विदित औलुक, म्यूजिक लेबल स्पीड रिकॉर्ड्स के संस्थापक दिनेश औलुक के बेटे थे। यह हादसा रविवार तड़के पंजाब के जालंधर में हुआ, जिसमें विदित के साथ उनके दोस्त आरव तलवार की भी जान चली गई।



हूबहू मां श्रीदेवी जैसी दिखीं जान्हवी कपूर



अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने इस साल हैलोवीन के मौके पर अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी के 1986 के फैंटेसी ड्रामा नगीना वाले आइकॉनिक लुक को फिर से अपनाया। जहां जान्हवी ने श्रीदेवी का रूप लिया, वहीं ओरी ने दिवंगत ऋषि कपूर का किरदार निभाया। फिल्म के पोस्टर से लेकर शूटिंग के दौरान की कुछ झलकियां तक, उन्होंने नगीना की पुरानी यादों को बिल्कुल सटीक तरीके से फिर से जीवंत कर दिया। अपनी खुशी जाहिर करते हुए, मिली अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, हैप्पी हैलोवीन ! मुझे फिल्मों के सबसे आइकॉनिक पलों में से एक को फिर से रीक्रिएट करना ही था। उन्होंने आगे कहा, आजकल हैलोवीन का मतलब अपने पसंदीदा किरदारों या पॉप कल्चर के मशहूर पलों जैसा तैयार होना हो गया है। कभी ये डरावने होते हैं कभी मजेदार, तो कभी ये एक तरह की श्रद्धांजलि होते हैं। और मम्मा, ऋषि अंकल और अमरीश सर से ज्यादा आइकॉनिक और कौन हो सकता है !! इस लुक के लिए मुझे थोड़ी मदद भी मिली। उनकी बहन खुशी कपूर ने इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, तुमने तो हैलोवीन जीत लिया।

कनिका मान में सुनाई एक्स बॉयफ्रेंड की हैवानियत



अभिनेत्री कनिका मान ने अपने पहले रिश्ते के दर्दनाक अनुभवों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उनका पहला बॉयफ्रेंड उनके साथ बुरा बर्ताव करता था और एक बार उसने उन्हें इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि उनके कानों से खून बहने लगा। अभिनेत्री ने बिग बॉस के अन्य कंटेस्टेंट्स के साथ बातचीत के दौरान अपने कॉलेज के दिनों और शुरुआती रिश्तों के बारे में बताते हुए अपना यह बुरा अनुभव साझा किया। कनिका ने बताया कि 12वीं कक्षा तक उनका कोई बॉयफ्रेंड नहीं था। कॉलेज के पहले साल के लिए जब वह चंडीगढ़ गईं तो उन्हें लगा कि आखिरकार उन्हें आजादी मिल गई है। अपने पहले रिश्ते के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 12वीं तक मेरा कोई बॉयफ्रेंड नहीं था। कॉलेज के पहले साल में मैं चंडीगढ़ गई। मुझे लगा कि यही आजादी है। मैंने देखा कि हॉस्टल में रात के समय सब लोग फोन पर बातें कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ऐसा नहीं है कि मुझे किसी की जरूरत थी लेकिन शायद यह फोमो था कि मेरे साथ भी ऐसा हो सकता है इसलिए मैंने फेसबुक अकाउंट बनाया। जिस लड़के ने थोड़ी सी भी दिलचस्पी दिखाई, वह मेरा बॉयफ्रेंड बन गया। अपने पूर्व बॉयफ्रेंड के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, वह एक साइको (मानसिक रूप से अस्थिर) इंसान था। वह बहुत बुरा बर्ताव करता था। शारीरिक हिंसा के एक वाकये को याद करते हुए कनिका ने बताया कि उनका पूर्व बॉयफ्रेंड बिना बताए उनकी क्लास में आ गया और स्ट्राइप्ड (धारीदार) सूट पहनने की वजह से उन्हें थप्पड़ मार दिया। उसने मुझे पूरे कॉरिडोर के सामने थप्पड़ मारा। उन्होंने आगे बताया कि उस समय उनके कानों में हाल ही में छेद करवाया गया था और थप्पड़ लगने के बाद उनके कानों से खून बहने लगा।

संजय गुप्ता ने मीका सिंह को बॉलीवुड में दिया था पहला ब्रेक



फिल्म निर्माता संजय गुप्ता के निधन के बाद गायक मीका सिंह काफी दुखी और परेशान नजर आए। उन्होंने संजय गुप्ता को अपना गॉडफादर बताया, जिन्होंने उन्हें बॉलीवुड में पहला मौका दिया था। मीका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट लिखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने संजय गुप्ता को एक बेहतरीन इंसान, जमीन से जुड़े व्यक्ति और एक शानदार फिल्म निर्माता, निर्देशक और प्रोड्यूसर बताया।

संजय गुप्ता के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए मीका ने लिखा—आज का दिन मेरे लिए सबसे चौंकाने वाले और दिल तोड़ने वाले दिनों में से एक है। मेरे बड़े भाई, संजय गुप्ता जी—जो एक बेहतरीन इंसान, जमीन से जुड़े व्यक्ति और एक शानदार फिल्म निर्माता, निर्देशक और प्रोड्यूसर थे—हमें बहुत जल्दी छोड़कर चले गए। मीका ने याद किया कि कैसे संजय गुप्ता ने बॉलीवुड में उनकी एंट्री कराने में मदद की थी। उन्होंने कहा कि संजय गुप्ता उनके लिए एक गॉडफादर की तरह थे और वे हमेशा उनके प्रति आभारी रहेंगे। उन्होंने आगे लिखा—भाई, आप मेरे लिए एक गॉडफादर की तरह थे। आपने मुझे बॉलीवुड में मेरा पहला ब्रेक दिया था। आपके प्यार, मार्गदर्शन और सहयोग के लिए मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा। आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगे। वाहेगुरु आपकी आत्मा को शांति दें और आपके परिवार को इस कमी न मर पाने वाले नुकसान को सहने की शक्ति दें। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे, भाई। आपकी बहुत याद आएगी। मीका का बॉलीवुड में अपना पहला बड़ा ब्रेक संजय गुप्ता की 2007 की फिल्म शूटआउट एट लोखंडवाला के गाने गणपत से मिला था। विक्की ओबेरॉय पर फिल्माया गया यह गाना काफी लोकप्रिय हुआ और इसने हिंदी फिल्म संगीत उद्योग में मीका की पहचान बनाने में मदद की। बता दें कि संजय गुप्ता का 30 अक्टूबर को मुंबई स्थित उनके घर पर निधन हो गया। वे 59 वर्ष के थे। खबरों के अनुसार, रात के समय बाथरूम में फिसलने से उनके सिर में चोट लग गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, किसी को इस घटना का पता नहीं चला और अगली सुबह वे मृत पाए गए। खबरों के अनुसार, उनके परिवार के सदस्य घर पर ही थे, लेकिन उस समय उन्हें गिरने की घटना के बारे में पता नहीं चला। संजय गुप्ता ने 1994 में आतिश फील द फायर के साथ बतौर निर्देशक अपने करियर की शुरुआत की।

सुख–समृद्धि और खुशहाली के लिए अपनाएं ये 5 शुभ उपाय

धनतेरस का नाम सुनते ही सोना, चांदी और नए बर्तन खरीदने की परंपरा याद आती है। लेकिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह त्योहार केवल खरीदारी तक सीमित नहीं है। धनतेरस का दिन धन, आरोग्य और सुख–समृद्धि के लिए भी बेहद खास माना जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और कुबेर देव की पूजा की जाती है। वहीं शाम के समय दीपदान करने की भी परंपरा है। मान्यता है कि धनतेरस पर कुछ खास उपाय करने से घर में सुख–शांति और सकारात्मकता बनी रहती है। आइए जानते हैं ऐसे ही 5 उपायों के बारे में। धनतेरस पर घर की अच्छी तरह साफ–सफाई करना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि स्वच्छ और व्यवस्थित घर में मां लक्ष्मी का वास होता है। आप घर के मंदिर और मुख्य द्वार की सफाई करके वहां गंगाजल का छिड़काव कर सकते हैं। इसके अलावा घर के प्रवेश द्वार को फूलों और रंगोली से सजाएं।



भगवान धन्वंतरि की पूजा करें

धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उनकी कृपा से मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य बना रहता है।

इस दिन यह मंत्र अवश्य जपें: ओम: नमो भगवते वासुदेवाय धन्वंतर्ये अमृतकलश हस्ताय सर्वमय विनाशनाय त्रिलोकनाथाय श्री महाविष्णवे नमः या फिर सरल रूप में जपें: ओम: धन्वंतराये नमः"

धनतेरस पर खरीदें सेंधा नमक, झाड़ू और बर्तन ये चीजें केवल सामान नहीं हैं, बल्कि पुरानी ऊर्जा को हटाने और नई समृद्धि लाने के प्रतीक हैं। सेंधा नमक: नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेता है। झाड़ू पुराने कर्मों और बाधाओं की धूल साफ करता है । बर्तन: जीवन में पोषण और समृद्धि भरने का प्रतीक यह अंधविश्वास नहीं, बल्कि प्राचीन ऊर्जा विज्ञान है। धनतेरस को त्रयोदशी तिथि होने के कारण 13 दीपक जलाना अत्यंत शुभ माना जाता है। यह दुर्भाग्य को दूर कर जीवन में उजाला लाता है। अगर आप सोना–चांदी नहीं खरीद पा रहे हैं, तो श्रद्धा से दीप जलाना ही लक्ष्मी कृपा पाने के लिए पर्याप्त है। सूर्यास्त के समय दक्षिण दिशा की ओर मुख करके चार मुख वाला दीपक (4–मुखी दिया) जलाएं। यह यमराज को समर्पित दीपदान होता है, जिसे "यमदीप दान" कहते हैं। यह उपाय अकाल मृत्यु और अचानक हानि से रक्षा करता है और पूरे वर्ष परिवार को सुरक्षा देता है।

धनतेरस केवल सोना–चांदी खरीदने का त्योहार नहीं बल्कि स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशहाली की कामना करने का भी अवसर है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा, मां लक्ष्मी का स्मरण और दीपदान करने की परंपरा है। इन उपायों को श्रद्धा और विश्वास के साथ अपनाकर आप त्योहार की खुशियों को और खास बना सकते हैं।

धनतेरस से दिवाली तक! जानें सभी त्योहारों की सही तारीखें और लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त

दिवाली का पावन पर्व आने वाला है। हिंदू धर्म में दीपावली का विशेष महत्व माना जाता है। यह केवल एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि कई दिनों तक चलने वाला उत्सव है। इसकी शुरुआत धनतेरस से होती है और समापन भाई दूज के साथ होता है। इन दिनों घरों की साफ–सफाई, सजावट, खरीदारी और पूजा–पाठ का खास महत्व होता है। इस बार साल 2026 में दिवाली की तारीखों को लेकर थोड़ा बदलाव है, क्योंकि नरक चतुर्दशी और लक्ष्मी पूजा एक ही दिन पड़ रही है। आइए जानते हैं धनतेरस से लेकर भाई दूज तक सभी त्योहारों की सही तारीखें और पूजा के शुभ मुहूर्त।

दिवाली कैलेंडर 2026: किस दिन कौन–सा त्योहार?

6 नवंबर 2026, शुक्रवार = धनतेरस, यम दीपदान

7 नवंबर 2026, शनिवार = काली चौदस

8 नवंबर 2026, रविवार = नरक चतुर्दशी, छोटी दिवाली, बड़ी दिवाली, लक्ष्मी पूजा, काली पूजा

9 नवंबर 2026, सोमवार = कार्तिक अमावस्या

10 नवंबर 2026, मंगलवार= गोवर्धन पूजा, अन्नकूट

11 नवंबर 2026, बुधवार= भाई दूज

धनतेरस पूजा मुहूर्त 2026

दिवाली उत्सव की शुरुआत धनतेरस से होती है। इसे धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और कुबेर देवता की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन सोना, चांदी, बर्तन और अन्य शुभ वस्तुएं खरीदने से घर में सुख–समृद्धि आती है।

धनतेरस की तारीख: 6 नवंबर 2026, शुक्रवार

पूजा का शुभ मुहूर्त: शाम 6.02 बजे से 7.57 बजे तक

प्रदोष काल: शाम 5.32 बजे से रात 8.09 बजे तक

काली चौदस की तारीख: 7 नवंबर 2026, शनिवार

निशिता काल मुहूर्त: रात 11.39 बजे से 8 नवंबर की रात 12.31 बजे तक

नरक चतुर्दशी और छोटी दिवाली 2026

नरक चतुर्दशी को रूप चौदस और छोटी दिवाली भी कहा जाता है। इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले अभ्यंग स्नान करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन स्नान और पूजा करने से नकारात्मकता दूर होती है और जीवन में सुख–समृद्धि आती है। नरक चतुर्दशी की तारीख: 8 नवंबर 2026, रविवार

अभ्यंग स्नान का शुभ मुहूर्त: सुबह 5.41 बजे से 6.38 बजे तक

बड़ी दिवाली और लक्ष्मी पूजन मुहूर्त 2026

दिवाली का मुख्य पर्व कार्तिक अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन घरों में दीपक जलाए जाते हैं और माता लक्ष्मी तथा भगवान गणेश की पूजा की जाती है। मान्यता है कि प्रदोष काल में विधि–विधान से लक्ष्मी पूजन करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

दिवाली की तारीख: 8 नवंबर 2026, रविवार

लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त: शाम 5.54 बजे से 7.50 बजे तक

प्रदोष काल: शाम 5.31 बजे से रात 8.08 बजे तक

दिवाली पर चोघड़िया पूजा के शुभ चौघड़िया मुहूर्त

व्यापारी वर्ग में दिवाली के दिन चोपड़ा पूजा यानी नए बही–खातों की पूजा करने की परंपरा है। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश का आशीर्वाद लेकर नए लेखा–जोखा की शुरुआत की जाती है।

प्रात: मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत): सुबह 11.27 बजे से दोपहर 12.05 बजे तक अपराह्न मुहूर्त (शुभ): दोपहर 1.27 बजे से 2.49 बजे तक

सायंकालीन मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर): शाम 5.32 बजे से रात 10.27 बजे तक

रात्रि मुहूर्त (लाभ): 9 नवंबर को रात 1.44 बजे से 3.23 बजे तक

उषाकाल मुहूर्त (शुभ): 9 नवंबर को सुबह 5.01 बजे से 6.39 बजे तक

दिवाली के अगले प्रमुख पर्व के रूप में गोवर्धन पूजा मनाई जाती है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है और अन्नकूट का भोग लगाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठा लिया था। इसी प्रसंग की याद में यह पर्व मनाया जाता है।

गोवर्धन पूजा की तारीख: 10 नवंबर 2026, मंगलवार

प्रातःकालीन पूजा मुहूर्त: सुबह 6.40 बजे से 8.50 बजे तक

भाई दूज मुहूर्त 2026

दिवाली उत्सव का समापन भाई दूज के साथ होता है। यह त्योहार भाई–बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक है।

भाई दूज की तारीख: 11 नवंबर 2026, बुधवार, तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त: दोपहर 1.10 बजे से 3.20 बजे तक



मिशेल सेंटनर, न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा टी20 खेलने वाले खिलाड़ी बने

एजेंसी,हैमिल्टन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल सेंटनर ने रविवार को भारत के खिलाफ हैमिल्टन में खेले जा रहे पांचवें टी20 मुकाबले में अपने देश के लिए सबसे ज्यादा टी20 मैच खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।भारत के खिलाफ पांचवां टी20 मुकाबला सेंटनर के करियर का 143वां मैच है। अब वे कीवी टीम की तरफ से सबसे ज्यादा टी20 मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने ईश सोढ़ी को पीछे छोड़ा है। सोढ़ी ने कीवी टीम के लिए 142 टी20 मैच खेले हैं। सेंटनर 151 विकेट ले चुके हैं, जबकि सोढ़ी के नाम 165 विकेट हैं। न्यूजीलैंड के लिए सर्वाधिक टी20 मैच खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी हैं।



साउदी ने 126 मैच खेले थे। मार्टिन गुप्टिल 122 मैच के साथ चौथे और डेरिल मिचेल 109 मैचों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं। सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच खेलने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के जोस बटलर और आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग के नाम पर है।

दोनों ने 163–163 मैच खेले हैं। आयरलैंड के ही जॉर्ज डॉकरेल और भारत के रोहित शर्मा 159–159 मैच खेलकर संयुक्त रूप से सर्वाधिक टी20 मैच खेलने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। इसके बाद अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी (155 मैच) और इंग्लैंड के आदिल रशीद (153) का नंबर है। इन्हीं खिलाड़ियों ने 150 या उससे अधिक अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच खेले हैं। भारत के साथ जारी 5 टी20 मैचों की सीरीज में न्यूजीलैंड का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। टीम शुरुआती 3 मैच गंवाकर सीरीज हार चुकी है। चौथे टी20 मैच में न्यूजीलैंड जरूर वापसी की थी और भारत को हराया था। पांचवें टी20 में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 192 रन का लक्ष्य मिला है। देखना होगा कि कीवी टीम इस लक्ष्य को हासिल कर पाती है, या नहीं।

हार्दिक पंड्या ने बेसबॉल बैट से जीती प्राइज मनी दान की

एजेंसी,नयी दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंजरी की वजह से क्रिकेट से दूर हैं, लेकिन किसी न किसी वजह से वो चर्चा में बने रहते हैं। हार्दिक अब अपना क्रिकेट बैट बदलकर बेसबॉल बैट से बड़ी इनामी राशी जीतने की वजह से चर्चा में हैं। हार्दिक को कंटेंट क्रिएटर मिस्टर बीस्ट के एक वीडियो में दिखाया गया था, जिसमें उन्होंने इंटरनेट सेंसेशन के खिलाफ बेसबॉल चैलेंज में हिस्सा लिया था। पांड्या ने बेसबॉल बैट से करीब लगभग 94.9 लाख रुपये जीते। उन्होंने इसे चैरिटी में दान करने का फैसला किया। मिस्टर बीस्ट अपने वीडियो के लिए अलग–अलग क्षेत्र से बड़ी हस्तियों को लाए थे। इसमें क्रिकेट से उन्होंने हार्दिक पंड्या को चुना था। उनकी चुनौती बेसबॉल को पार्क के बाहर मारने का था और विपक्षी ज्यादा होम रन मारना था। हार्दिक ने इस मौके का फायदा उठाया और मिस्टरबिस्ट को हराकर प्राइज मनी ली। जीती गई राशि को हार्दिक ने गरीब बच्चों की भलाई और जरूरतमंद कुत्तों के लिए काम करने वाली कई संस्थाओं को दान कर दिया। हार्दिक लंबे समय से क्रिकेट से दूर हैं। वह शीर्ष ऑलराउंडर हैं। टी20 हो या वनडे फॉर्मेट, उनका कोई मुकाबला नहीं है। हार्दिक गेंद और बल्ले से मैच को भारतीय टीम के पक्ष में मोड़ने की क्षमता रखते हैं और कई बार अपने

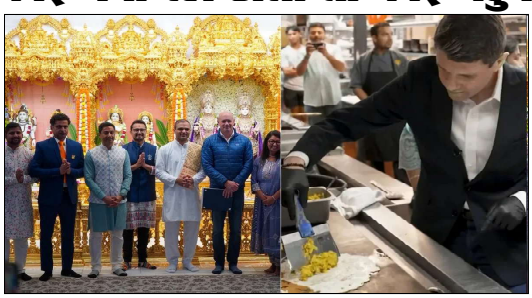


आखिरी बार टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में टीम इंडिया के लिए खेले थे। उसके बाद से वह आईपीएल में कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए खेले हैं।

इंजरी की वजह से हार्दिक अफगानिस्तान घरेलू सीरीज, आयरलैंड, जिम्बाब्वे, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर रहे हैं। हार्दिक भारत के करियर में ऐसा कर चुके हैं। पंड्या ने 94 वनडे में 1904 रन बनाने के साथ ही 91 विकेट लिए हैं। वहीं, 138 टी20 में 2,288 रन बनाने के साथ ही 114 विकेट उनके नाम है। 11 टेस्ट में 532 रन और 17 विकेट उन्होंने लिए हैं। हार्दिक ने टेस्ट फॉर्मेट से खुद को अलग रखा है।

अमेरिकी चुनाव में भारतीय-अमेरिकियों पर उम्मीदवारों की नजर, कोई बना रहा डोसा तो कोई पहुंच रहा मंदिर

एजेंसी,वॉशिंगटन । अमेरिका में मध्यावधि चुनावों की सरगर्मी तेज होने के साथ ही भारतीय–अमेरिकी मतदाता राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण हो गए हैं। उन्हें अपने पक्ष में करने के लिए उम्मीदवार अलग–अलग तरीके अपना रहे हैं। कोई भारतीय रेस्तरां में डोसा बनाकर समुदाय से जुड़ने की कोशिश कर रहा है तो कोई मंदिरों में पहुंचकर धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में हिस्सा ले रहा है। उम्मीदवारों की इन गतिविधियों के पीछे भारतीय–अमेरिकी समुदाय के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव और चुनावी राज्यों में उसके वोटों की अहमियत को बड़ा कारण माना जा रहा है। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जेम्स टैलेरिको इसका ताजा उदाहरण हैं। टेक्सास में अमेरिकी सीनेट सीट के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार केन पैक्सटन को चुनौती दे रहे टैलेरिको हाल ही में डलास के उपनगर इरविंग के एक भारतीय रेस्तरां पहुंचे। यहां उन्होंने डोसा बनाने की कोशिश की। इरविंग में भारतीय–अमेरिकी समुदाय की बड़ी आबादी रहती है। टैलेरिको ने भारतीय व्यंजन तैयार करने की प्रक्रिया में हिस्सा लेकर स्थानीय लोगों से जुड़ने का संदेश दिया। काले सूट और सफेद कमीज पहने टैलेरिको ने सबसे पहले एक कटोरे से डोसे का घोल निकाला। इसके बाद



उन्होंने उसे गर्म तवे पर फैलाया और ऊपर से मसालेदार आलू का मिश्रण डाला। डोसा तैयार होने पर उन्होंने उसे मोड़कर केले के पत्ते पर रखी थाली में परोसा। इस गतिविधि के जरिए उन्होंने भारतीय खानपान और संस्कृति में रुचि दिखाने की कोशिश की। अमेरिकी चुनावों में उम्मीदवारों के लिए अब केवल बड़ी रैलियां और राजनीतिक भाषण ही मतदाताओं तक पहुंचने का जरिया नहीं रह गए हैं। स्थानीय समुदायों के बीच जाकर उनकी परंपराओं और जीवनशैली को समझना भी चुनाव प्रचार का हिस्सा बनता जा रहा है। भारतीय रेस्तरां में डोसा बनाने जैसी गतिविधियां इसी रणनीति का हिस्सा हैं।भारतीय–अमेरिकी समुदाय तक पहुंचने के लिए मंदिर भी उम्मीदवारों और जनप्रतिनिधियों के प्रमुख पड़ाव बन रहे हैं। खासकर उन राज्यों में मंदिरों में नेताओं की मौजूदगी बढ़ी है, जहां भारतीय मूल के मतदाताओं की संख्या उल्लेखनीय है। कनेक्टिकट के गवर्नर नेड लैमोंट, जो दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं ने स्टेट कैपिटल में आयोजित दिवाली समारोह में हिस्सा लिया।

इस दौरान उनके साथ उप विदेश सचिव जेनिफर बाराहोना भी मौजूद थीं। ओहियो के सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने शेरोनविले स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की वर्षगांठ के कार्यक्रम में भाग लिया। न्यू जर्सी के अमेरिकी सीनेटर कोरी बुकर भी अक्षरधाम मंदिर में आयोजित दिवाली समारोह में पहुंचे। वहीं, सांसद रैंडी फाइन और स्कॉट पेरी ने पेंसिल्वेनिया के हैरिसबर्ग स्थित एक मंदिर में जाकर समुदाय के लोगों से संपर्क साधा। इन कार्यक्रमों में नेताओं की मौजूदगी को भारतीय–अमेरिकी मतदाताओं के साथ संवाद बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मिशिगन के सांसद जान जेम्स भी एक स्वामीनारायण मंदिर पहुंचे। उनका उद्देश्य वहां पूजा स्थल की परंपराओं और हिंदू–अमेरिकी समुदाय की सामाजिक भूमिका को समझना था। उन्होंने मंदिर में समुदाय की सेवा भावना और सांस्कृतिक गतिविधियों को करीब से देखने में रुचि दिखाई। अमेरिका में भारतीय मूल के लोग धार्मिक और सांस्कृतिक संस्थानों के साथ–साथ कारोबार, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में भी सक्रिय हैं। ऐसे में मंदिर और सामुदायिक आयोजन राजनीतिक उम्मीदवारों के लिए लोगों से सीधे संवाद करने का अवसर उपलब्ध कराते हैं। उम्मीदवार इन कार्यक्रमों के जरिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के साथ समुदाय की चिंताओं और अपेक्षाओं को समझने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय–अमेरिकी समुदाय की मजबूत मौजूदगी कैलिफोर्निया, टेक्सास, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, वाशिंगटन, इलिनोइस, पेंसिल्वेनिया और जॉर्जिया जैसे राज्यों में है। इन राज्यों में मतदाताओं की संख्या और राजनीतिक भागीदारी के कारण समुदाय चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

वीरता, मेहनत और स्वाभिमान की पहचान है हरियाणा : विज प्रधान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । हरियाणा दिवस के शुभ अवसर पर सेक्टर 46 क्षेत्र के निवासी और प्रमुख समाजसेवी सुरेश कुमार विज प्रधान ने समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने हरियाणा की गौरवशाली परंपरा, संस्कृति और योगदान को नमन करते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास का संकल्प दोहराया।

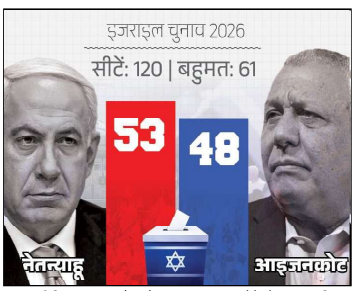


विज प्रधान ने कहा कि हरियाणा केवल एक राज्य नहीं, बल्कि वीरता, मेहनत, स्वाभिमान और उच्च संस्कारों की अनूठी पहचान है। यह वह पावन और ऐतिहासिक धरती है जहाँ भगवान श्रीकृष्ण ने संपूर्ण मानव जाति को श्रीमद्भगवद्गीता का अमर उपदेश दिया था। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा की मिट्टी में मेहनत की खुशबू है। यहाँ के वीर जवान सीमा पर देश की रक्षा करते हैं, मेहनती किसान पूरे देश का पेट भरते हैं, और यहाँ की बेटियां खेलों से लेकर हर क्षेत्र में वैश्विक मंच पर तिरंगा लहरा रही हैं।

विज प्रधान ने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि हमें गर्व है कि हम इस पावन धरा से जुड़े हैं, जिसने देश को प्रतिभाशाली खिलाड़ी, वीर सैनिक और संस्कारी नागरिक दिए हैं। इस अवसर पर हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने प्रदेश को स्वच्छ, शिक्षित, विकसित और खुशहाल बनाने में अपना सक्रिय योगदान देंगे तथा आपसी भाईचारे की भावना को और मजबूत करेंगे।

नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए गादी आइजनकोट की 4 शर्तें, स्पीकर को हटाने पर विपक्षी दलों में सहमति

एजेंसी,तेल अवीव। इजरायल में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विपक्षी नेता गादी आइजनकोट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए दूसरे दलों के सामने चार शर्तें रखी हैं। इनमें हरेदी समुदाय के लोगों के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य करना, इजरायल को यहूदी और लोकतांत्रिक देश बनाए रखना तथा गाजा में हमास का शासन समाप्त करना शामिल है। आइजनकोट ने स्पष्ट किया है कि इन शर्तों को स्वीकार करने वाले राजनीतिक दलों के लिए उनके गठबंधन में शामिल होने का रास्ता खुला है। इजरायली मीडिया वायनेट के मुताबिक, आइजनकोट की इन शर्तों का मकसद नई सरकार के लिए साझा राजनीतिक एजेंडा तैयार करना है। 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। 120 सदस्यों वाली संसद नीसेट में सरकार बनाने के लिए कम से कम 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। आइजनकोट की पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वह नेतन्याहू विरोधी दलों को एकजुट करने के लिए लगातार बातचीत कर रहे हैं। आइजनकोट की चार शर्तों में हरेदी समुदाय के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य करने का मुद्दा अहम है। हरेदी समुदाय के धार्मिक और सामाजिक जीवन में सैन्य सेवा को लेकर लंबे समय से बहस होती रही है। इस मुद्दे पर इजरायल की राजनीति में भी मतभेद है। आइजनकोट चाहते हैं कि नई सरकार इस मामले में स्पष्ट नीति अपनाए और सैन्य सेवा के दायरे में सभी समुदायों को लाया जाए। इसके अलावा उनकी शर्तों में इजरायल की यहूदी और लोकतांत्रिक पहचान को बनाए रखना तथा गाजा में हमास के शासन का अंत करना शामिल है। इन मुद्दों पर सहमति बनाने के बाद ही वह दूसरे दलों के साथ सरकार गठन की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं। नेतन्याहू विरोधी मध्यमार्गी गठबंधन और अरब पार्टियों के बीच भी सरकार बनाने को लेकर बातचीत चल रही है। दोनों खेमों के पास मिलाकर 67 सांसदों का समर्थन बताया जा रहा है, जो बहुमत के आंकड़े से अधिक है। दूसरी ओर, लिकुड पार्टी के नेतृत्व वाले नेतन्याहू समर्थक गठबंधन के पास 53 सांसद हैं। हालांकि,



संख्या बल होने के बावजूद विपक्ष के सामने सभी दलों को एक साझा कार्यक्रम पर सहमत करने की चुनौती है। खासकर अरब पार्टियों के लिए आइजनकोट की शर्तों और गठबंधन की नीतियों पर सहमति बनाना महत्वपूर्ण होगा। इसी कारण सरकार गठन की बातचीत में अभी कई राजनीतिक और वैचारिक मुद्दे निर्णायक बने हुए हैं। विपक्षी खेमे में नेतन्याहू को राजनीतिक झटका देने की एक और रणनीति पर सहमति बनती दिख रही है। लिकुड पार्टी के नेता और नेतन्याहू के करीबी आमिर ओहाना को नीसेट के स्पीकर पद से हटाने की तैयारी है। विपक्षी दलों का मानना है कि नई संसद के गठन के साथ बहुमत के आधार पर स्पीकर को बदलना नेतन्याहू के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इससे विपक्ष संसद में अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने के साथ सत्ता पक्ष पर दबाव भी बना सकेगा। नई नीसेट के पहले सत्र में इस मुद्दे पर कार्रवाई की संभावना है। इजरायल में बार–बार सरकार गठन में आने वाली बाधाओं के बीच प्रधानमंत्री का चुनाव सीधे जनता से कराने का प्रस्ताव भी चर्चा में है। इस विचार के तहत मतदाता सीधे प्रधानमंत्री चुनेंगे और निर्वाचित नेता अपनी पसंद का मंत्रिमंडल बना सकेगा। उसे सरकार चलाने के लिए नीसेट में 61 सांसदों का समर्थन जुटाने की जरूरत नहीं होगी। यह व्यवस्था लगभग दो दशक पहले अमेरिका की राष्ट्रपति प्रणाली जैसी होगी। दिलचस्प बात यह है कि वर्ष 2021 में बहुमत का संकट पैदा होने पर नेतन्याहू ने भी ऐसा प्रस्ताव दिया था। अब विपक्षी दल इसी विकल्प पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, इसे लागू करने के लिए मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव करना होगा। अरब पार्टियां इस प्रस्ताव को लेकर अभी असमंजस में हैं। इजरायल में चुनाव के बाद राष्ट्रपति इसाक हर्जोग सभी दलों के नेताओं से बातचीत करते हैं। इसके बाद वह किसी सांसद को सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपते हैं। उस नेता को शुरुआत में 28 दिन मिलते हैं। जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति 14 दिन का अतिरिक्त समय दे सकते हैं। इस तरह सरकार गठन के लिए कुल 42 दिन उपलब्ध होते हैं। इस दौरान संबंधित नेता को दूसरी पार्टियों से समर्थन जुटाना और नीतियों तथा मंत्रिपदों पर समझौता करना होता है। चुनाव के बाद आइजनकोट लगातार नेतन्याहू विरोधी दलों के नेताओं से मिल रहे हैं ताकि राष्ट्रपति के सामने सरकार बनाने का मजबूत दावा पेश किया जा सके। टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक, तेल अवीव, बीरशेबा, हाइफा और तईबा में नेतन्याहू सरकार के विरोध में प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने मध्यमार्गी गठबंधन और अरब पार्टियों से एकजुट होकर सरकार बनाने की अपील की।

गुलामी के लिए भारत समेत 56 देशों से माफी पर विचार को तैयार ब्रिटेन

एजेंसी,लंदन। ब्रिटेन ने ट्रांस–अटलांटिक गुलामों के व्यापार को लेकर अपने रुख में बड़ा बदलाव करने के संकेत दिए हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने कहा है कि उनका देश इस ऐतिहासिक अत्याचार से प्रभावित देशों और संगठनों के साथ बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने ब्रिटिश सरकार की ओर से औपचारिक माफी की मांग पर भी खुले मन से विचार करने की बात कही है। हालांकि, बर्नहम ने गुलामी के लिए वित्तीय भुआवजा देने की मांग को खारिज कर दिया है। कॉमनवेल्थ देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक से पहले बर्नहम ने ब्रिटिश अखबार इंडिपेंडेंट में एक लेख लिखकर अपनी बात रखी। कॉमनवेल्थ में भारत समेत कुल 56 देश शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या उन देशों की है, जो कभी ब्रिटिश शासन के अधीन रहे थे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने अपने लेख में स्वीकार किया कि ट्रांस–अटलांटिक गुलामों का व्यापार मानवता के खिलाफ क्रूर अत्याचार था। इस दौरान लाखों लोगों को उनके परिवारों से अलग कर दिया गया, उन्हें संपत्ति की तरह बेचा गया और अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया गया। बर्नहम ने कहा कि वह इस व्यापार के कारण लाखों लोगों को हुए दर्द और पीड़ा पर दुख और अफसोस व्यक्त करना चाहते हैं। उन्होंने माना कि गुलामी का असर आज भी दुनिया में दिखाई देता है। उनका कहना है कि प्रभावित देशों के साथ एक व्यवस्थित संवाद शुरू किया जाएगा, जिसमें ब्रिटिश राज्य की



ओर से औपचारिक माफी की मांग भी शामिल होगी। बर्नहम ने स्पष्ट किया कि ब्रिटेन वित्तीय मुआवजे को इस समस्या का उचित समाधान नहीं मानता। उनके मुताबिक, आज के ब्रिटिश नागरिकों को उन ऐतिहासिक घटनाओं के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, जिनमें उनकी व्यक्तिगत भूमिका नहीं थी।

इसके बजाय ब्रिटेन गरीब कॉमनवेल्थ देशों का कर्ज चुकाने का बोझ कम करने की पहल करना चाहता है। इसके तहत कर्ज लौटाने के लिए अधिक समय और बेहतर ब्याज दरों की व्यवस्था पर अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ काम किया जाएगा। इस पहल में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन की भी भूमिका होगी। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय इन दिनों कैरेबियाई देशों के दौरे पर हैं। उन्होंने बहामास में ब्रिटिश शासन के दौरान हुए अत्याचारों और गुलामी के इतिहास का जिक्र करते हुए पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी थी। ब्रिटिश संसद ने 1833 में गुलामी को गैरकानूनी घोषित करने वाला कानून पारित किया था। हालांकि, इसके बाद भी ब्रिटेन का औपनिवेशिक शासन और दूसरे देशों का शोषण जारी रहा। इस बीच, ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम के जल्द भारत दौरे पर आने की संभावना भी जताई गई है। भारत में ब्रिटेन के कार्यवाहक उच्चायुक्त बेन मेलर ने पीटीआई को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पदभार संभालने के बाद बातचीत में बर्नहम ने भारत आने की इच्छा जताई थी। मेलर के मुताबिक, दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी के मद्देनजर यह यात्रा जल्द हो सकती है।

गैर जमानती वारंट के आरोपी को इटावा से पकड़ा

आगरा,संवाददाता। कमिश्नरेट आगरा के थाना बसई अरेला पुलिस ने गैर जमानती वारंट के आरोपी सुमित को इटावा से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। सुमित पुत्र रमेश चंद्र आगरा के थाना पिनाहट के हुसैनपुरा का रहने वाला है। पुलिस ने उसे इटावा के थाना सिविल लाइन के ग्राम पहाड़पुरा स्थित उसके मौजूदा निवास से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, सुमित के खिलाफ एसएसटी वाद संख्या 1886/22 और मुकदमा अपराध संख्या 37/2021 में धारा 393 भादवि के तहत गैर जमानती वारंट जारी था।

छात्र राजनीति से भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति तक पहुंचे प्रदीप सिंह बब्बू

लखनऊ,संवाददाता।

लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति से सार्वजनिक जीवन की शुरुआत कर अपनी संगठनात्मक क्षमता, सामाजिक सक्रियता और लंबे राजनीतिक अनुभव के दम पर पहचान बनाने वाले वरिष्ठ नेता प्रदीप सिंह बब्बू को भाजपा उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य नामित किया गया है। उनके मनोनयन से समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। प्रदीप सिंह बब्बू का राजनीतिक सफर छात्र जीवन से ही संघर्ष, सक्रियता और संगठनात्मक जिम्मेदारियों से जुड़ा रहा है। युवाओं और नौजवानों के बीच उनकी मजबूत पकड़ तथा विभिन्न सामाजिक वर्गों से बेहतर संवाद उनकी राजनीतिक पहचान की प्रमुख विशेषताएं हैं। फरवरी 2024 में 18 क्षत्रिय संगठनों को एकजुट कर उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति के गठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस पहल ने उनकी नेतृत्व क्षमता, सामाजिक समन्वय और समाज को एक मंच पर लाने के प्रयासों को नई पहचान दी। क्षत्रिय समाज में भी उनका प्रभावशाली संपर्क और नेतृत्वकारी भूमिका रही है। भाजपा में शामिल होने से पहले वह समाजवादी पार्टी में प्रदेश सचिव सहित कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक पदों पर कार्य कर चुके हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352

आर.एन.आई.रू.UPHIN/2008/32231

डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.

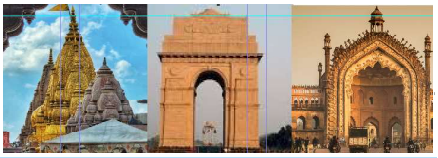
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादक: विजय दुबे

कार्यकारी संपादक: दीप्ती दुबे '

संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी



गुडगांव से दिल्ली रैली के लिए सेक्टर-29 लेजरवैली मैदान से वाहनों में रवाना हुए कार्यकर्ता

पूर्व सांसद राज बब्बर, पूर्व सांसद धर्मपाल मलिक, पंकज डावर, वर्धन यादव भी रहे मौजूद

लोकेश कुमार

गुरुग्राम । दिल्ली के रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाओ रैली में गुडगांव से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, आमजन जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर, जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) वर्धन यादव के नेतृत्व में पहुंचे। पुलिस ने उन्हें गुडगांव–दिल्ली बॉर्डर पर रोका, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और दिल्ली रैली में पहुंचे। शहर के सेक्टर–29 स्थित लेजरवैली मैदान से पूर्व सांसद राज बब्बर व पूर्व सांसद एवं रैली के गुडगांव प्रभारी ध र्मपाल मलिक भी रवानगी के दौरान मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने गुडगांव–दिल्ली बॉर्डर पर उनके काफिले को रोकने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ताओं के जोश के आगे पुलिस को हटना पड़ा



और सभी कार्यकर्ता रैली स्थल पर पहुंचे। पुलिस ने काफी बसों को बॉर्डर पर ही रोक दिया। काफी कार्यकर्ता हाथों में डंडे लिए पैदल मार्च करते हुए दिल्ली की तरफ बढ़ते गए। कुछ समय बाद गाडियां निकलकर आई तो वे गाडियों में सवार हुए। जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने कहा कि तानाशाही सरकार डर गई है। कार्यकर्ताओं को रैली में जाने से रोका सरकार की बौखलाहट का सबसे बड़ा सबूत है। उन्होंने कहा कि जब सब सेक्टर–29 लेजरवैली मैदान से शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली के लिए निकले तो गुडगांव–दिल्ली बॉर्डर पर पुलिस ने रोक लिया। पुलिस ने कार्यकर्ताओं के साथ झड़प भी की, लेकिन मजबूत इरादों के साथ हिम्मत दिखाई और आगे बढ़ते गए। उन्होंने कहा कि यह सरकार राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से और आज की इस लोकतंत्र बचाओ रैली से इतनी डर गई है कि वह हमें दिल्ली जाने से रोक रही है।

पंकज डावर ने कहा कि रविवार को रामलीला मैदान में जो जनसैलाब उमड़ा है, उसने बता दिया है कि देश की जनता अब बदलाव चाहती है। यह लड़ाई सिर्फ कांग्रेस की नहीं है, यह लड़ाई देश के संविधान को बचाने की है, लोकतंत्र को बचाने की है। उन्होंने पूर्व सांसद राज बब्बर और धर्मपाल मलिक का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने सब कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया है। जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) वर्धन यादव ने कहा कि सुबह जब हम निकले तो किसी ने नहीं सोचा था कि पुलिस हमें इस तरह रोकेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस लगाकर कांग्रेस के कार्यकर्ता को रोक लोगे, लेकिन जनता के दिल में जो आक्रोश है, महंगाई, बेरोजगारी और इस तानाशाही के खिलाफ जो गुस्सा है, उसे कैसे रोकोगे। कार्यकर्ताओं व आमजनता ने दिखा दिया कि जब बात देश की आती है तो हरियाणा का आदमी पीछे नहीं हटता। जिलाभर से किसान, मजदूर और नौजवानों ने इस रैली में शिरकत करके सरकार को दिखा दिया है कि जनता अब जाग गई है। उन्होंने कहा, सरकार कहती है कि किसान खुश है, लेकिन आज किसान इसलिए दिल्ली जा रहा है, क्योंकि उसकी फसल का दाम नहीं मिल रहा। नौजवान इसलिए जा रहा है, क्योंकि उसे रोजगार नहीं मिल रहा।

स्वामी श्रद्धानंद का जीवन प्रेरणादायक : राष्ट्रपति

2047 तक विकसित भारत बनाने में युवा निभाएं भूमिका

राजेंद्र सिंह जादौन

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कुरुक्षेत्र स्थित गुरुकुल के 114वें स्थापना वर्ष और स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान शताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने हरियाणा के लोगों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई दी और कृषि, खेल व उद्योग जगत में उनकी मेहनत की सराहना की।



समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद का जीवन अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने वैदिक शिक्षा, नारी सशक्तिकरण, सामाजिक एकता और स्वतंत्रता संग्राम में अविस्मरणीय योगदान दिया। रौलट एक्ट के विरोध और जलियांवाला बाग घटना के बाद कांग्रेस अधिवेशन के आयोजन में उनकी भूमिका ऐतिहासिक थी। बाबा साहब आंबेडकर और महात्मा गांधी ने भी उनके कार्यों व बलिदान की प्रशंसा की थी।

राष्ट्रपति ने गुरुकुल में प्राचीनता और आधुनिकता के संगम की तारीफ की। उन्होंने आचार्य देवव्रत द्वारा चलाई जा रही प्राकृतिक खेती और गो–संरक्षण की पहलों को सराहा। युवाओं का आह्वान करते हुए उन्होंने स्वामी विवेकानंद के संदेश को दोहराया और कहा कि देश के स्वाभिमान के लिए युवा जिम्मेदारी उठाएं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिक तकनीक और नवाचार को अपनाना जरूरी है। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वीरता, खेल और प्रगति में हरियाणा ने रचे नए कीर्तिमान : राष्ट्रपति मुर्मु

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

चंडीगढ़। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु रविवार को कुरुक्षेत्र में हरियाणा के गठन के 60 वर्ष पूरे होने पर आयोजित हीरक जयंती समारोह में शामिल हुईं और आधिकारिक लोगो (स्वहव) लॉन्च किया ख1 नवंबर 2026,। समारोह में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित थे ख1 नवंबर 2026,। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि गीता की इस पुण्य भूमि ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राष्ट्र निर्माण तक हर क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी कांशीराम, राव तुलाराम और सर छोटूराम की विरासत को नमन किया। महिला सशक्तिकरण की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश का लिंगानुपात 2014 के 871 से बढ़कर नवंबर 2025 में 915 हो गया है। राष्ट्रपति ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली देश की पहली महिला पहलवान मनीषा भानवाला और पैरा खिलाड़ी शर्मिला ढांडा को बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने जींद–सोनीपत के बीच देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन की शुरुआत और राष्ट्रीय औसत से 50: अधिक खाद्यान्न उत्पादकता के साथ देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत करने के लिए हरियाणा की पीठ थपथपाई।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में गुरुग्राम से बड़ी संख्या में हुए भाजपा कार्यकर्ता

गुरुग्राम/ लोकेश कुमार। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के अंतर्गत फरीदाबाद एनआईटी स्थित बीके चौक से हार्डवेयर चौक तक विशाल पदयात्रा निकाली गई। हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं और आमजन की सहभागिता के साथ आयोजित इस पदयात्रा में लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन और विकास का संदेश दिया गया। पदयात्रा में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा सरकार के



कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम विधानसभा विधायक मुकेश शर्मा, राज्यमंत्री गौरव गौतम, प्रदेश महामंत्री गोपाल शर्मा, गुरुग्राम भाजपा जिला प्रभारी संदीप जोशी सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों की प्रमुख उपस्थिति रही। इस अवसर पर गुरुग्राम भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान, जनविश्वास और जागरूक नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से सुनिश्चित होती है। उन्होंने कांग्रेस पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील विषय को लेकर जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर तथ्यपरक और जिम्मेदार राजनीतिक संवाद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, सुशासन और जनहित के प्रति पूरी निष्ठा से समर्पित है। संगठन का उद्देश्य जन–जन तक विकास और सुशासन की योजनाओं की जानकारी पहुँचाना तथा जनता से निरंतर संवाद बनाए रखना है। भाजपा गुरुग्राम के जिला मीडिया प्रभारी अजय दुआ ने बताया कि इस विशाल पदयात्रा में गुरुग्राम भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी के नेतृत्व में जिला महामंत्री मनीष सैदपुर एवं अजीत यादव सहित जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और गुरुग्राम भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों के मंत्री, विधायक, महापौर, पार्षद, जिला परिषद सदस्य, सरपंच तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल रहे।

